www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 317 । भोपाल, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

विस चुनाव के लिए मतदान आज, सभी दल हुए रवाना

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराने के लिए लाल परेड और एमवीएम मैदान से सभी मतदान दल गुरुवार को मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले सभी को मतदान कराने के लिए सामग्री दी गई।

एडीएम प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि मतदान दल सुबह 6 बजे से सामग्री लेने लाल परेड और एमवीएम मैदान पहुंच गए थे। सामग्री लेने के बाद सुबह 9 बजे से दल रवाना होना शुरू हुए और दोपहर तक लगभग सभी दल रवाना हो गए थे। इसके पूर्व मतदान दलों को सामग्री देने के लिए दोनों ही मैदान पर विधानसभा क्षेत्र वार व्यवस्था की गई थी। ताकि मतदान दल आसानी से सामग्री की जांच कर ले सके। 7 विधानसभा सीटों के कुल 70 काउंटर बनाए गए थे। वहीं, कुल 2049 मतदान केन्द्रों जितनी ही टेबल भी लगाई गई ।सबसे ज्यादा 13 काउंटर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए थे। यहां मतदान दल भी सबसे ज्यादा 373 हैं। हुजूर में 12, नरेला में 11, बैरसिया-भोपाल उत्तर में 9-9, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और भोपाल मध्य में 8-8 काउंटर बनाए गए थे।

मतदान दलों के लौटने पर आज शाम से मार्ग परिवर्तित रहेंगे

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान के बाद विभिन्न क्षेत्रों से मतदान दल मतदान पेटी के साथ वापस लालपरेड मैदान में आएंगे। इस वजह से लालपरेड मैदान के आसपास वाले मार्गों पर यातायात का दबाव रहेगा। ऐसे में जनसुविधा के लिए यातायात पुलिस द्वारा लालपरेड के आसपास के कुछ मार्ग परिवर्तित किए हैं। यह व्यवस्था शुक्रवार शाम चार बजे से सभी मतदान दलों के वापस लौटने तक जारी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम चार बजे से एमपी नगर तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी होकर कंट्रोल रूम तिराहे की ओर जाने वाला सामान्य यातायात (जीप, कार) डीबी सिटी तिराहे से मैदा मिल, जिन्सी धर्मकांटा होकर पुराने भोपाल की ओर अपने गन्तव्य की ओर जा सकेंगे। इसी तरह से पुलिस मुख्यालय तिराहे से पुराना पुलिस कंट्रोल रूम होकर गांधी पार्क तिराहा, रोशनपुरा की ओर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह पुराना मछलीघर तिराहे से गांधीपार्क तिराहे की ओर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रोशनपुरा से भारत टाकीज की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू तिराहा, लिली टाकीज होते हुये भारत टाकीज की ओर जा सकेंगे। वहीं टीटीनगर से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें अपैक्स बैंक, लिंक रोड नंबर-एक से होते हुये बोर्ड आफिस चौराहा, मैंदा मिल, जिंसी धर्मकांटा, ऐशबाग फाटक से होकर भारत टाकीज होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगी । इसी तरह भारत टाकीज से रोशनपुरा की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन लिली टाकीज पीएचक्यू तिराहा, खटलापुरा, मछलीघर, बाणगंगा, होते हुये रोशनपुरा की ओर जावेंगे। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन से टीटीनगर, न्यू मार्केट की ओर आने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें भारत टाकीज से होते हुये ऐशबाग फाटक, पुल बोगदा, धर्मकांटा, मैदा मिल, बोर्ड आफिस चौराहे से होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगी।

चुनाव में लगी 2 सौ लाल बसें, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

लाल बसों का परिचालन कम होने से निजी गाड़ियों में काफी ज्यादा भीड़ रही

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में जिले में मतदान प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक लाने ले जाने के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) की करीब 2 सौ लाल बसों का अधिग्रहण किया गया है। इसके चलते जिन मार्गों पर आम दिनों में 15 से 20 बसें दौड़ती हैं, वहां गुरुवार को सिर्फ 5 से 7 बसें ही चली। ऐसी ही स्थिति में यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। ऐसी स्थिति शुक्रवार को भी रहेगी।

राजधानी में लाल बसों में सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि जहां अन्य दिनों में 2 से 5 मिनट में बस मिल जाती थी। वहीं आज आधे से एक घंटा तक बस का इंतजार करना पड़ रहा है। बसों का परिचालन कम होने से टैक्सी, ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य निजी वाहन ज्यादा किराया ले रहे हैं। यात्री मोहन कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्हें बैरागढ़ से कटारा हिल्स जाना था। इसके लिए बस बोर्ड ऑफिस से बदलते हैं, लेकिन इस मार्ग की बस बंद होने के कारण परेशानी हो रही है। आधे रास्ते से दूसरी बस में आए। एमपी नगर चौराहा पर फिर से बस का इंतजार करना पड़ा। बस नहीं चलने से रुपए और टाइम दोनों ही ज्यादा लग रहा है।

वहीं एक बस के परिचालक विद्याकांत त्रिपाठी ने बताया कि मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक लाने ले जाने के लिए 2 सौ से अधिक बसों की ड्यूटी लगाई गई, जबकि कुल बसों की संख्या करीब 350 है। इसके चलते हर मार्ग पर कम बसें चल रही हैं। ऑटो वाले मनमाना किराया वसूल रहे हैं। शुक्रवार को मतदान के दिन भी बसों का परिचालन कम रहेगा।

इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध मौत

भोपाल, देशबन्धु। टीटी नगर के इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया गया है कि छत्रात्रा को उसकी मां अस्पताल लेकर पहुंची थी, अस्पताल से सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। लेकिन निरीक्षण में कोई तथ्य हाथ नहीं लगे है, जिससे की मौत के कारण स्पष्ट हो सके। हालांकि छात्रा के गले पर फंदे के निशान मिले थे, लेकिन घर में फांसी लगाने जैसे स्थितियां नजर नहीं आई। ऐसे में पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा है और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस ने बताया कि अंजली कांप्लेक्स टीटी नगर निवासी दर्शिता श्रीवास्तव उम्र 21 वर्ष फैशन डिजाइनिंग में इंजीनियरिंग कर रही थी। इसके अलावा घर खर्च चलाने वह निजी नौकरी भी करती थी। बुधवार सुबह करीब दस बजे के आसपास मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची, वहां उन्होंने चिकित्सकों को बताया कि बेटी बेहोश हो गई थी। चिकित्सकों ने जांच की तो पता चला कि दर्शिता की मौत हो चुकी है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को देखने पर दर्शिता के गले पर फंदे के निशान मिले थे। इससे प्रतीत हो रहा था कि उसने फांसी लगाई या फिर गले में रस्सी से रगड़ लगी है। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार शाम को रिश्तेदार भोपाल नहीं पहुंच सके थे। लिहाजा गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है मामला संदिग्ध लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

माता-पिता का हो चुका है तलाक

बताया गया है कि दर्शिता के माता-पिता का हो चुका तलाक है। परिवार में मां के अलावा बड़ा भाई सविनय श्रीवास्तव है। सविनय अपनी दादी के पास ललिता नगर में रहता है। दर्शिता मां के साथ वह रहती थी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सविनय परिवार से मतलब नहीं रखता था। उसे घटना की जानकारी मिली तभी वह अस्पताल पहुंचा था।

बीएमएचआरसी में पीआरएस स्थापित

आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था सुधरी

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल मेमोरियल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए दी जाने वाली आक्सीजन सप्लाई व्यवस्था सुदृढ़ कर दी गई है। मरीजों को उचित प्रेशर से आक्सीजन उपलब्ध करने के लिए आक्सीजन स्टोरेज टैंक के पास प्रेशर रेग्युलेटरी रेगुलेटरी सिस्टम (पीआरएस) लगाया गया है। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डा मनीषा श्रीवास्तव ने गुरूवार को पीआरएस सिस्टम को मरीजों को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि अस्पताल में सभी बिस्तरों पर जल्द ही आक्सीजन उपलब्ध करा दी जाएगी।

डा मनीषा ने बताया कि कोरोना काल के दौरान कई अस्पतालों में आक्सीजन की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई थी। इस दौरान अस्पतालों के सामने यह समस्या उभरकर आई कि पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होने के बावजूद यह उचित दबाव से मरीजों तक नहीं पहुंच पा रही थी। इससे मरीजों को काफी समस्या उत्पन्न हुई थी। हालांकि बीएमएचआरसी में वैकल्पिक व्यवस्था होने से इस तरह की दिक्कत नहीं हुई थी। लेकिन भविष्य में उचित दबाव बनाए रखने के लिए पीआरएस सिस्टम को लाया गया है। बीएमएचआरसी के आक्सीजन स्टोरेज सिस्टम के साथ इसे स्थापित कर दिया गया है। इस सिस्टम में दो रेगुलेटर होंगे। अगर कभी एक रेगुलेटर काम करना बंद कर देता है, तो दूसरा अपने आप काम करना शुरू कर देगा।

बीएमचआरसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डा अनुराग यादव ने बताया कि अभी अस्पताल के ढाई सौ से ज़्यादा बिस्तरों पर आक्सीजन सप्लाई उपलब्ध है। जल्द ही सभी साढ़े 3 सौ बिस्तरों पर आक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध करा दी जाएगी। बीएमएचआरसी के मैनिफोल्ड विभाग के प्रभारी डा गौरव आचार्य ने बताया कि बीएमएचआरसी के आक्सीजन भंडारण टैंक की क्षमता 10 किलो लीटर है। भविष्य में बीएमएचआरसी का विस्तार होने या बिस्तरों की संख्या बढ़ने पर भी मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी और दबाव की भी कोई समस्या नहीं आएगी।

ठंड ने पकड़ा जोर, पचमढ़ी से भी ठंडा रहा ग्वालियर

भोपाल, देशबन्धु। *उत्तर भारत की तरफ से आ रही सर्द हवाओं ने पूरे प्रदेश में सिहरन और बढ़ा दी है। इसी क्रम में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात प्रदेश के 17 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। सबसे कम 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया, जबकि पर्यटन स्थल पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि राजधानी भोपाल में रात का तापमान दूसरे दिन भी 15 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दिनों उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई थी। साथ ही मैदान क्षेत्रों में वर्षा भी हुई थी। इस वजह से वहां का वातावरण ठंडा है। वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी होने से पूरे मध्य प्रदेश में दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने के आसार हैं। इस दौरान रात के तापमान में कुछ और गिरावट हो सकती है। उसके बाद एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। उसके बाद हवाओं का रुख बदलने से तापमान में धीरे-धीरे कुछ बढ़ोतरी होने के भी आसार हैं।*

मंत्रालय में कर्मचारी संघ के चुनाव की तैयारी

अब नए नाम से काम करेगा मंत्रालय संघ, 3 माह में कराए जाएंगे चुनाव

भोपाल, देशबन्धु। मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों का नया संगठन (मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ) अस्तित्व में आ गया है। पंजीयक फर्म्स एंड सोसायटी ने संगठन का पंजीयन किया है। इसके साथ ही संगठन के चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। पंजीयन की शर्तों के मुताबिक संगठन को पंजीयन की तारीख से तीन माह के अंदर चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी है। इसलिए संगठन से जुड़े कर्मचारी नेताओं ने सदस्यता प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

दो धड़ों के झगड़े के चलते मध्य प्रदेश सचिवालयीन कर्मचारी संघ का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। इस संगठन का पंजीयन 1969 में हुआ था। इस संघ के पूर्व अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि संगठन का पंजीयन खत्म होने के बाद से स्थिति बिगड़ती गई। उनकी मांगों-समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है। छोटी-छोटी बातों पर निलंबन किया जा रहा है। कर्मचारी प्रताड़ित हो रहे थे। इसलिए नया संघ बनाया गया है।

संघ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल कहते हैं कि विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के तुरंत बाद नए संगठन के लिए विधिवत निर्वाचन कराएंगे और नवनिर्वाचित कार्यकारिणी नई सरकार के सामने मंत्रालयीन कर्मचारियों की समस्याएं रखकर उनका निराकरण कराएगी। पटेल कहते हैं कि कर्मचारियों को सदस्यता की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कह दिया है। उल्लेखनीय है कि सहायक पंजीयक भोपाल-नर्मदापुरम संभाग ने 26 दिसंबर 2022 को मध्य प्रदेश सचिवालयीन कर्मचारी संघ का पंजीयन निरस्त कर दिया था। इस आदेश के विरुद्ध की गई अपील भी पंजीयक फर्म्स एवं संस्थाएं मध्य प्रदेश ने 21 अगस्त 2023 को खारिज कर दी थी।

एटीएम कार्ड बदलकर बुजुर्ग को लगाई एक लाख रुपए की चपत

पुलिस ने 15 दिन बाद दर्ज की एफआइआर

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के पिपलानी इलाके में वृद्ध के खाते से एक युवक ने एक लाख रुपये निकालकर धोखाधड़ी कर दी। करीब 15 दिन थाने के चक्कर लगवाने के बाद पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर ली है। फिलहाल आरोपी को कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पुलिस के मुताबिक पिपलानी निवासी 65 वर्षीय राजधर सिंह बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हैं। 31 अक्टूबर को वह पिपलानी पेट्रोल पंप के पास स्थित एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे थे। इस दौरान उनके पीछे एक युवक खड़ा था। राजधर सिंह के कई बार के प्रयास करने के बाद भी रुपये नहीं निकले तो पीछे खड़े युवक ने उनकी मदद के बहाने का उनका एटीएम लिया और प्रयास किया, लेकिन वह भी कामयाब नहीं हो पाया। इसके बाद राजधर घर चले गए। अगले दिन उनके मोबाइल पर बैंक की ओर से करीब एक लाख रुपये निकाले जाने के पांच संदेश आए। वह बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके एटीएम कार्ड से रुपये निकाले गए हैं। जब उन्होंने अपना एटीएम कार्ड देखा तो वह उनका नहीं था।

पुलिस जांच में सामने आया कि एटीएम पर उनके पीछे जो युवक खड़ा हुआ था, उसने मदद करने के बहाने कार्ड बदल लिया था। बैंक से जानकारी एकित्रत करने की भागदौड़ करते हुए 15 दिन बाद उनकी शिकायत पर एफआइआर दर्ज हो सकी।

युवक ने मामा के घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पांच दिन पहले ही रहने आया था

भोपाल, देशबन्धु। बजरिया इलाके में एक युवक ने मामा के घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से कोई पत्र नहीं मिलने के कारण आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और जांच शुरू कर दी गई है। बजरिया पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय प्रकाश रैकवार सांई कृष्ण कॉलोनी में रहता था। वह ऑटो चालक था। पिछले पांच दिनों से वह विजय नगर में अपने मामा के घर पर था। उसने मामा के घर के एक कमरे में ही प्रकाश ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना किया। पुलिस को मौके से कोई पत्र नहीं मिला है जिसके कारण खुदकुशी की वजह सामने नहीं आ सकी है। शुरूआती जांच में पता चला है कि वह नशा करने का आदी था। फिलहाल पुलिस मर्ग दर्ज कर विवेचना कर रही है।

असमंजस बाबू नाटक का मंचन 19 को

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल की प्रतिष्ठित रंग संस्थाओं में शामिल कारवां 19 नवंबर की शाम पौने सात बजे शहीद भवन में नाटक च्असमंजस बाबूज् का मंचन करेगी। सुप्रसिद्ध कहानीकार सत्यजीत रे की कहानी पर आधारित इस नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक नज़ीर कुरैशी ने किया है। वहीं इसका नाट्य रूपांतरण अख्तर अली ने किया है। असमंजस बाबूज् एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो अपने आप को सहज और दूसरों को गलत समझता है। वह हमेशा असमंजस में रहता है कि यह काम करूं या न करूं। नाटक में असमंजस बाबू का किरदार वरिष्ठ रंगकर्मी उबेदुल्ला खान निभा रहे हैं और प्रकाश परिकल्पना ब्रजेश शुक्ला च्अनयज्ञ की है। इस एकल प्रस्तुति में विख्यात कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं का भी खूबसूरती से प्रयोग किया गया है। असमंजस बाबू के बहाने लेखक समाज में फैली बुराइयों पर भी चोट करता है।

गिरदावरी के लिए किसानों के पंजीयन और सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित

भोपाल, देशबन्धु। जिला आपूर्ति नियंत्रक सुश्री मीना मालाकार ने बताया कि वर्तमान में गिरदावरी में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण शासन द्वारा किसान पंजीयन एवं सत्यापन की व्यवस्था निर्धारित की गई है। पंजीयन में किसान का विवरण समग्र पोर्टल एवं विगत वर्ष के पंजीयन डाटाबेस से तथा किसान द्वारा धारित भूमि रकबा एवं खसरे की जानकारी भू-अभिलेख के डाटाबेस से प्राप्त की जाएगी।

सुश्री मालाकार ने बताया कि पंजीयन में किसान का विवरण, रकबे एवं बोई गई फसल एवं उसके रकबे की जानकारी के साथ आवेदन कृषक द्वारा पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें फसल एवं उसके रकबे की जानकारी के साथ आवेदन कृषक द्वारा पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें फसल का प्रकार एवं बोए गए रकबे की जानकारी किसान द्वारा स्वयं उपलब्ध कराई जाएगी। उपार्जन एजेंसी द्वारा पंजीयन केन्द्रों पर आवेदन फार्म पर्याप्त मात्रा में में उपलब्ध कराए जाएगी। कृषक द्वारा आवेदन पत्र में उल्लेखित फसल एवं बोए गए रकबा की प्रविष्टि ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन केन्द्र के आपरेटर द्वारा की जाकर पंजीयन कराया जाए। उन्होंने बताया कि पंजीयन में दर्ज फसल एवं रकबे का मिलान किसान के विगत वर्ष खरीफ में कराए गए पंजीयन में दर्ज रकबे तथा फसल से मिलान का कार्य एनआसईसी द्वारा डाटाबेस के आधार पर किया जाएगा। इस प्रकार, डाटा के मिलान के आधार पर निम्नानुसार कार्यवाही की जाए। जिन किसानों का डाटा का मिलान 90 प्रतिशत तक होगा उनको धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु स्लॉट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मिसमैच डाटा का मिलान उपलब्ध कराए गए फसल के सेटेलाईट इमेज से किया जाएगा। इसमें भी 90 प्रतिशत तक मिलान होन पर उनको धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु स्लाट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शेष मिसमैच डाटा का राजस्व एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा मौके पर फसल का सत्यापन किया जाएगा एवं इसकी प्रविष्टि की सुविधा ई-उपार्जन पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

जाति प्रमाण पत्र के लिए समग्र आईडी जरुरी

भोपाल, देशबन्धु। जाति प्रमाण पत्रों की सेवाओ के लिये भी समग्र आई.डी.होना अनिवार्य किया गया है। लोक सेवा गारंटी के जिला प्रबंधक ने बताया कि जिले की तहसीलों में स्थापित लोक सेवा गारंटी केंद्र पर जाति के आवेदन क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछड़े वर्ग, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ के मैन्युअल जाति के आवेदन मैन्युअल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति मैन्युअल अन्य पिछडे वर्ग मैन्युअल विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ ब्लड रिलेशन जाति के आवेदन ब्लड रिलेशन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति ब्लड रिलेशन अन्य पिछड़े वर्ग तथा ब्लड रिलेशन विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ पोर्टल पर इसे लाइव कर दिया गया है।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए प्रयास होंगे

भोपाल, देशबन्धु। संयुक्त संचालक कृषि बी.एल.बिलैया ने बताया है कि जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ मिलकर सभी उपाय किए जायेंगे । उन्होंने कहा हैं कि मध्यप्रदेश की खेती- किसानी में बढ़ते पेस्टिसाइड और रासायनिक खाद के उपयोग को रोकने के जैविक खाद निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। श्री बिलैया ने बताया कि गौशालाओं में निजी भागीदारी भी सुनिश्चित करने के प्रयास करेंगे, जिससे जैविक खाद निर्माण में और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। पशुपालन विभाग के साथ कृषि विभाग के वैज्ञानिक अनुसंधान कर संभाग की गौशालाओं को आत्म-निर्भर बनाएंगे। निजी सहभागिता से चलने वाली गौशालाओं की सतत निगरानी की जाएगी।

एचडीएफसी बैंक लि. HDFC BANK We understand your world

प्लॉट नं. 9, तीसरी मंजिल, स्टार प्लेनेट बिल्डिंग, एम.पी. नगर, झोन-2, भोपाल, म.प्र.-462011.

ई-नीलामी बिक्री सूचना

स्थान : भोपाल नीलामी दिनांक: 04-12-2023

एचडीएफसी बैंक लि. वाहन का निपटान करना चाहता है, जैसा कि नीचे दिया गया है, **"जो है जैसा है आधार पर"** शर्त पर। नीलामी बिक्री / बोली केवल वेबसाइट के माध्यम से **"ऑनलाईन इलेक्ट्रॉनिक बोली"** प्रक्रिया के माध्यम से होगी ।

इच्छुक बोलीदाता अपनी बोली ईएमडी और केवाईसी दस्तावेजों के साथ उपरोक्त वेबसाइट **https://augeo.samil.in/home** पर जाकर जमा करेंगे। इच्छुक बोलीदाता से अनुरोध है कि वे पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करें और लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें। ईएमडी वेब पोर्टल में उल्लिखित खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस के माध्यम से देय होगी या **प्रद्युमन पाराशार - 9303533469** को अपना कोटेशन जमा कर सकते है।

ऋणी का नाम	वाहन का विवरण	मॉडल / इंजन नं.	रजि. नं. / चेचिस नं.	आरक्षित मूल्य / ईएमडी	यार्ड का पता
महेश कुमार जिवनानी	टू व्हीलर	TVS JUPITER / BG4ND1037049	MP04SN6065 / MD626BG49 D1N37387	रु. 10,000/- / ईएमडी रु. 1,000/-	म.नं. एफ-52, डूप्लेक्स हाउस, मिनाल रेसीडेंसी नरेला संकरी वार्ड नं.65 तह. हुजूर भोपाल म.प्र.

विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट **https://augeo.samil.in/home** देखें। यह सूचना ऋणी के साथ-साथ जमातनदार के लिए भी मानी जाएं।

ह/- प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लि.

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 317 । भोपाल, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

टनल में फंसे मजबूरों को निकालने का काम जारी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री वीके सिंह पहुंचे उत्तरकाशी

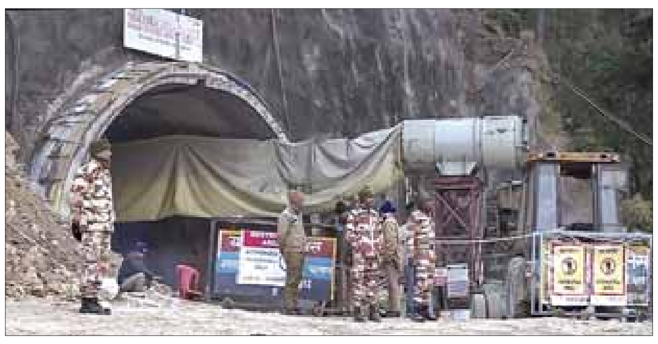

उत्तरकाशी, देशबन्धु। केंद्रीय नागर विमानन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (रिटा.) वीके सिंह ने सिलक्यारा टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन एवं ऑगर मशीन से ड्रिलिंग की प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

जनरल सिंह ने अधिकारियों की बैठक लेकर रेस्क्यू अभियान की समीक्षा की और पत्रकारों से वार्ता कर रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टनल में फंसे मजदूरों को निकालना सरकार की पहली प्राथमिकता है। ऑगर मशीन की स्थापना का कार्य पूर्ण होने के बाद सुरंग के भीतर जमा मलवे में ड्रीलिंग शुरू हो चुकी है।6 मीटर लंबे एक पाइप की ड्रिलिंग पूरी हो गई है। दूसरे पाइप की ड्रिलिंग जारी। टनल विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय संगठन और विशिष्ट प्रकृति के रेस्क्यू कार्यों में उच्चतम कोटि की दक्षता व अनुभव रखने वाले संगठनों व विशेषज्ञों से भी लगातार सलाह मशविरा किया जा रहा है। सरकार मजदूरों को जल्द से जल्द बाहर निकालने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है और वैकल्पिक रणनीति भी तैयार रखी गई है। राज्य सरकार रेस्क्यू अभियान में उल्लेखनीय और सराहनीय सहयोग कर रही है रेस्क्यू अभियान पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अभियान जल्द कामयाबी के साथ से संपन्न हो जाएगा।

अब सुरंग निर्माण कार्यों की समीक्षा खुद करेगी सरकार

उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में हुए भूधंसाव के चलते पिछले 5 दिनों से मजदूर टनल में फंसे हुए हैं। मजदूरों को टनल से बाहर निकलने के लिए आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार प्राथमिकता के आधार पर टनल में फंसे लोगों को निकलने की कवायद में जुटी हुई है। इसी बीच अब उत्तराखंड सरकार ने इस हादसे से सबक लेते हुए बड़ा निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत भविष्य में होने वाले टनल निर्माण कार्यों की सरकार खुद समीक्षा करेगी।

राजस्थान में भाजपा का घोषणा पत्र जारी

5 साल में ढाई लाख नौकरियां देने का वादा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। भाजपा ने वादा किया है कि गेहूं की फसल 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जाएगी। इसके साथ ही जिन किसानों की जमीन कुर्क हो गई है, उन्हें मुआवजा देने के लिए एक कमेटी बनवाई जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर शहर में एंटी रोमियो फोर्स तैयार की जाएगी और हर थाने में एक महिला डेस्क बनाई जाएगी। वहीं मेरिट में आने वाली छात्राओं को 12वीं के बाद फ्री स्कूटी दी जाएगी। इसके साथ ही भाजपा ने पांच साल में ढाई लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है।

लाडली की तर्ज पर लाडो प्रोत्साहन योजना

इसमें 2 लाख रुपए का सेविंग बॉन्ड हर नवजात बेटी को दिया जाएगा। छठी क्लास में 6 हजार रुपए, नौंवी क्लास में 8 हजार रुपए, 10वीं क्लास में 10 हजार, 12वीं क्लास में 14 हजार रुपए, प्रोफेशनल पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपए और 21 साल की होने पर 1 लाख रुपए अकाउंट में डिपॉजिट होगा। यह योजना मप्र की लाडली लक्ष्मी योजना की तर्ज पर शुरू की जाएगी।

गहलोत सरकार के घोटालों की जांच के कराएंगे

भाजपा ने वादा किया है कि उसकी सरकार आई तो गहलोत सरकार में हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी। इसके तहत पेपर लीक, जल जीवन मिशन, वृद्धा पेंशन घोटाले समेत सभी घोटालों की जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान में हुए घोटालों पर कार्रवाई करने का वादा करते आ रहे हैं।

चिकनगुनिया का पहला टीका फ्रांस ने किया तैयार

नई दिल्ली, देशबन्धु। चिकनगुनिया का पहला टीका फ्रांस ने तैयार किया है। फ्रांसीसी बायोटेक कंपनी वलनेवा द्वारा तैयार किए गए चिकनगुनिया के टीके को यूएस फूड एंड डग एडमिनिस्टेटिव (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही यह दुनिया की पहली कंपनी हो गई है,जिसे अधिकृत रूप से चिकनगुनिया का टीका बनाने का लाइसेंस हासिल हो गया है। कंपनी जल्द ही इस टीके को भारत में लांच करने की तैयारी में है। वलनेवा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी जुआन कार्लोस जारामिलो ने इसकी पुष्टि करते हुए कहाकि वह कोएलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और ब्राजील की इंस्टीट्यूटो बुटानटन के साथ साझेदारी करके भारत में यह टीका बनाने की तैयारी में हैं। बतादें कि सीईपीआई एक अंतर्राष्ट्रीय,जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पहचाने गए उभरते संक्रामक रोगों के खिलाफ टीका विकास में अनुसंधान को वित्त पोषित करता है। जबकि इंस्टीट्यूटो बुटानटन एक जैविक अनुसंधान केंद्र है। जारामिलों ने बताया कि भारत में टीका लांच करने का लेकर डग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से बातचीत चल रही है।

विशेष सम्पादकीय

किसे वोट देना है, कैसे करें फैसला!

• **नरेंद्र कुमार मौर्य**

चुनावी सरगर्मियां चरम पर हैं। हर प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। जनता के सामने वायदों और घोषणाओं का ढेर लगा है। ऐसे में आम मतदाता क्या करे? कैसे फैसला करे कि कौन सही है और कौन गलत। आज हर मतदाता के सामने यह सवाल है। अब तक वह धर्म, जाति और क्षेत्रीयता को ही महत्वपूर्ण मानता रहा है, इसलिए कई जगह जातियाँ जीतने हारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन क्या इससे उस समाज का कुछ भला होता है? हर बार जनप्रतिनिधियों पर अपने परिवार और जात बिरादरी के लोगों को फायदा पहुंचाने के आरोप लगाये जाते हैं। लेकिन वह अपने चुनिंदा लोगों का ही भला कर पाता है। ऐसे में समाज के बड़े हिस्से को क्या मिलता है? उसके अहम को सिर्फ संतुष्टि मिलती है कि उसके समाज का आदमी इतनी ऊपर पहुंचा, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? जवाब है– नहीं, तो फिर आम मतदाता कैसे फ़ैसला करे कि किसे वोट देना है? यह बड़ा सवाल है। खासकर उन मतदाताओं के लिए जिनके पास जानकारी की कमी है। जो जानकारी उन्हें दी जाती है, उसकी सत्यता जांचने की व्यवस्था उनके पास नहीं है। ऐसी स्थिति में क्या किया जाये?

विंध्य क्षेत्र में घूमते हुए एक गाँव में दो तीन जगह आदिवासियों ने हमसे ही पूछ लिया कि आप ही बताओ, हम क्या करें, किसे वोट दें? उनके सवाल से हम चौंक गए। हमने जानने की कोशिश की कि क्या वे अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों को जानते हैं? बेशक, वे उनके नाम जानते थे। लेकिन निवर्तमान विधायक को वे पांच साल बाद देख रहे थे। लोग कहते हैं, उन्होंने बहुत काम करवाया, लेकिन क्या करवाया, यह उन्हें नहीं मालूम। हमने उनसे लंबी बातचीत की। पहचानना उन्हें ही था। हमें सिर्फ यह बताना था कि कैसे पहचानना है। इसी बातचीत के टुकड़े यहाँ पेश कर रहे हैं, ताकि दूसरों को भी मदद मिले। यह लेख लिखने का ख्याल भी तभी आया।

काम अगर होता है तो वह दिखाई देता है, लेकिन अगर वह हमारे काम का नहीं है तो बेमतलब है। काम वही जो जनता को कुछ सहूलियत दे, मसलन– लोगों को पानी के लिए दूर न जाना पड़े, बिजली पर्याप्त मिले और बिल भी अनाप शनाप न हो। सरकारी अस्पताल हर जगह हों और वहाँ डॉक्टर व स्टाफ भी मौजूद रहे। सरकारी स्कूलों में भी बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले। सरकार कुछ ऐसी व्यवस्था करे कि लोगों को रोजी रोटी कमाने के मौके मिलें। पढ़े–लिखे युवाओं को नौकरी मिले। और सबसे बड़ी बात लूट खसोट बंद हो यानी कानून व्यवस्था दुरुस्त हो। लोगों को सुरक्षा और न्याय मिले।

विधायक की स्थानीय प्रशासन पर पकड़ होती है। अगर उसे लोगों का खयाल है तो वह सक्रिय रहता है। इस बात के अनेक उदाहरण भी मौजूद हैं। सत्ता पक्ष का विधायक है तो अपने क्षेत्र में विकास के ज्यादा काम करवा सकता है। अगर विपक्ष का है, तब भी विधायक कोटे से जनता को सहूलियत देने वाले काम करवा सकता है, साथ ही जनता की मांगों को लेकर उनके साथ सड़क पर भी उतर सकता है। यहाँ सवाल यह है कि विकास क्या है?

एक मतदाता ने तल्ख़ी के साथ कहा कि इन चमकती सड़कों को क्या हम चाटेंगे, जब रोज़गार नहीं है और महंगाई भी इतनी है। दूसरे मतदाता ने अपने गाँव में बने यात्री प्रतीक्षालय पर ही सवाल उठा दिया। उसने तंज कसा कि इससे लोगों को नहीं, कुत्तों को बैठने की जगह मिल गई है। इसका मतलब है कि जो आम आदमी की मुश्किलों को कम करे, वही विकास है। कुछ विकास कार्य तात्कालिक राहत देते हैं और कुछ भविष्य की मुश्किलें कम करते हैं। लेकिन विकास को लेकर सरकार और जनता की सोच में ज़मीन–आसमान का अंतर है। सरकारें सड़कें, बड़ी–बड़ी इमारतें और मुफ्त राशन बांटने को अपनी उपलब्धि मानती हैं। साथ ही वह लोगों की भावनाओं को उद्वेलित करने वाले मुद्दे उठाती हैं, ताक जनता उन्हें अपना करीबी समझे। इसलिए हवाई जुमले भी उछाले जाते हैं। एक हिस्से पर उनका असर भी होता है, लेकिन वह असर ताजिंदगी नहीं रहता। एक दिन लोग समझ जाते हैं कि इसका उनकी जिंदगी से कोई मतलब नहीं है।

मुफ्त का राशन और अन्य सुविधाएं तात्कालिक राहत तो देती हैं, लेकिन भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं करतीं। चाय–समोसे की दुकान चलाने वाली एक महिला ने बताया कि एक योजना का पैसा मिल रहा है, फिर समोसे की तरफ इशारा करके कहा– लेकिन हमारा गुजारा तो इससे होता है। इससे मिलती–जुलती बात कुछ अन्य महिलाओं ने भी कही। ज़ाहिर है कि जो योजनाएँ लोगों को आत्मनिर्भर बनाएं, वही बेहतर हैं।

हर बार ऐसा होता है कि मतदान के एक दिन पहले नगदी, शराब या कोई और सामान बांटकर गरीब जनता को बरगलाने की कोशिशें की जाती हैं। ऐसे लोगों को जागरूक किया जाना ज़रूरी है। हमारा एक वोट सरकार बदल सकता है, आम आदमी को इस ताकत का अहसास होना ही चाहिए। इस बार मतदाताओं से बात करते हुए लगा कि वे इन मुद्दों पर अपने प्रत्याशियों को परख रहे हैं। यही वजह है कि हवाई बातें करने वाले प्रत्याशी परेशान हैं। वोट उसे ही देना है जिसमें हमारी बदहाली को बदलने वाली सोच और माद्दा हो।

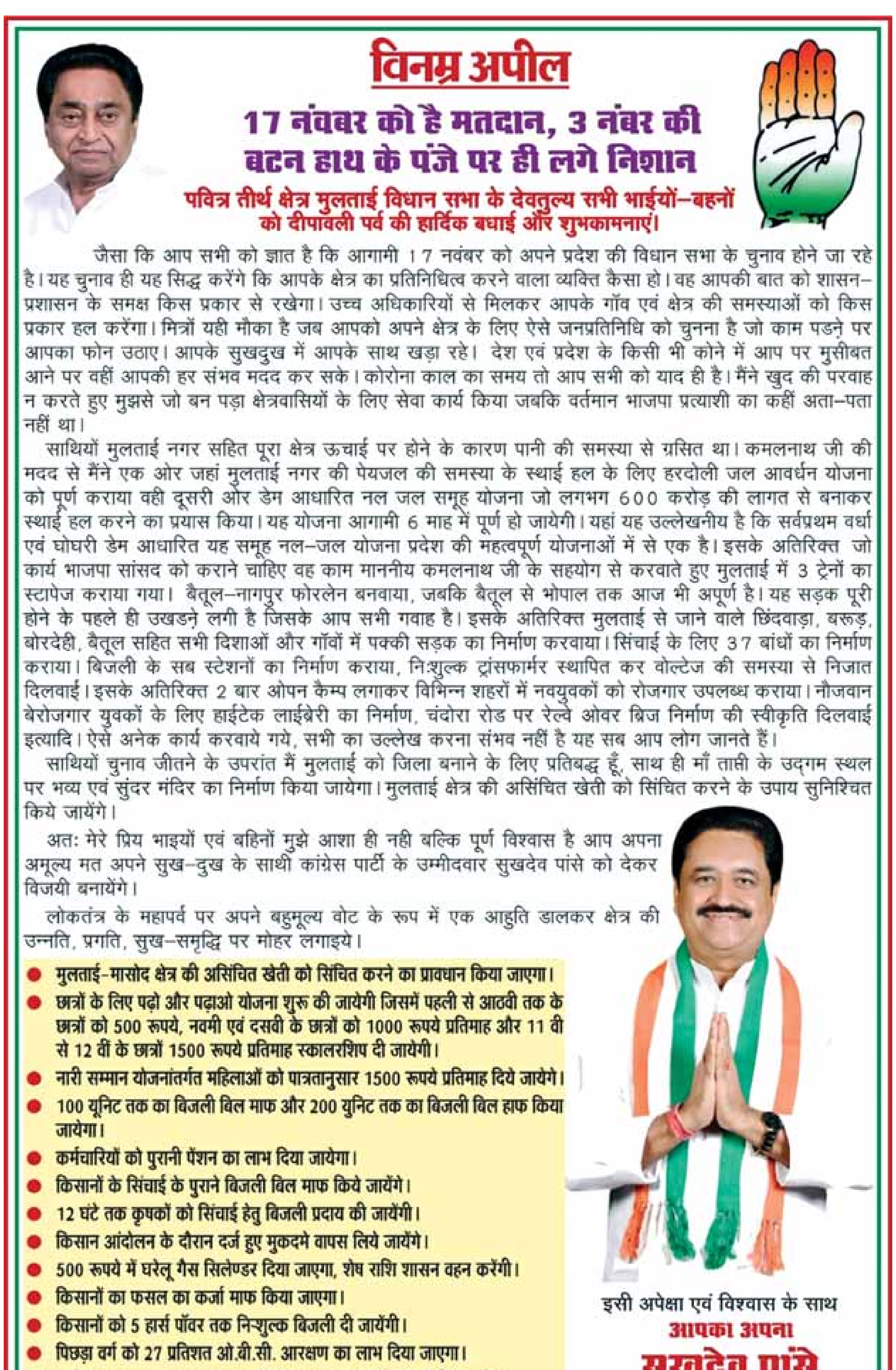

भोपाल, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

घृणा और हिंसा का इज़हार करते मोदी

राजस्थान में एक चुनाव प्रचार सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे चुनाव जीतने के लिये किसी भी तरह की भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं और किसी भी हद तक जा सकते हैं। बुधवार को राजस्थान के बायतु (बाड़मेर) में आयोजित सभा में मोदी ने हमेशा की तरह घिसे-पिटे मुद्दों पर वहां अशोक गहलोत के नेतृत्व में चल रही कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने उस कथित 'लाल डायरी' का फिर से हवाला देते हुए मतदाताओं से अपील की कि वोट देने जाएं तो इतनी जोर से भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल का बटन दबाएं मानों उन्हें (कथित भ्रष्टाचारियों को) फांसी दे रहे हों। यह मोदी की विरोधियों के प्रति घृणा व हिंसक प्रवृत्ति दोनों की ही ओर संकेत करता है। यह भाषण मोदी के उन भाषणों की श्रृंखला की ही एक कड़ी माना जा सकता है जिनमें वे लोकतंत्र की उनकी समझ का आभास देते हैं; साथ ही यह भी दर्शा देते हैं कि उन्हें अपने पद की गरिमा और प्रतिष्ठा का बिलकुल ख्याल नहीं है।

उनके इस भाषण में कई बातें बतलाई गयीं। मसलन, कि राजस्थान में बहुत भ्रष्टाचार है, कानून-व्यवस्था इतनी ध्वस्त हो चुकी है कि पिछले पांच साल से राजस्थान के लोग हंगामों, पत्थरबाजी, कर्फ्यू आदि के चलते कोई भी पर्व-त्यौहार शांति से नहीं मना सके हैं। आतंकियों, दबंगों व दंगाइयों के बुलन्द हौसलों का कारण उन्होंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति को बतलाया। फिर, उनके मुताबिक इस राज्य में महिलाएं इतनी असुरक्षित हैं कि रात को घर से निकल नहीं सकतीं, बच्चियां तक निरापद नहीं हैं। मोदी के अनुसार अपराधियों के हौसले इसलिये बुलन्द हैं क्योंकि मुख्यमंत्री ऐसे हैं जो बलात्कार को फर्जी बतला देते हैं। कांग्रेस को हटाना व भाजपा की सरकार को लाना उन्होंने इसलिये ज़रूरी बताया कि ऐसा करने से ही राजस्थान की संस्कृति सुरक्षित रहेगी। उन्होंने यह भी बतलाया कि उनके द्वारा दिल्ली से जो जल जीवन मिशन की राशि भेजी जाती है वह सरकार खा जाती है और इस तरह कांग्रेस सरकार पुण्य के काम में भी पैसे कमाने का व्यवसाय तथा भ्रष्टाचार करती है। इन दिनों मोदी का सबसे प्रिय विषय कथित लाल डायरी है जिसका उल्लेख वे राजस्थान के अपने हर दौरे पर अथवा उसका उल्लेख आने पर करते हैं। इस बार भी लाल डायरी का उल्लेख उनके भाषण में आया ही। उनका दावा था कि कांग्रेसी चाहे लाल डायरी को फर्जी बताते हैं, पर अब उसके पन्ने सामने आ गये हैं। मोदी ने कहा कि इस लाल डायरी के परिप्रेक्ष्य में अब एक भी कांग्रेसी प्रत्याशी नहीं जीतना चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान तक किया कि जब भी कोई कांग्रेसी उनके पास वोट मांगने आये तो उससे लाल डायरी के बारे में पूछा जाना चाहिये। उनके अनुसार 'राजस्थान के बैंक के लॉकरों में लूटा हुआ रुपया और सोना मिल रहा है।' जिस तरह से कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के आलू से सोना बनाने वाले बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता रहा, उसी तर्ज़ पर मोदी ने भी बहुत हल्केपन से कहा कि 'यह सोना आलू से नहीं बना है।' वरना कांग्रेसी कह देंगे कि हमने आलू से बनाया है।' ऐसे लॉकर और भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वह पहली कार्रवाई करे। मोदी का भाषण बतलाता है कि उन्हें चुनाव जीतने के लिये न तो भाषायी मर्यादा की चिंता है और न ही तथ्यों के साथ बात करने की आवश्यकता है। वे चुनाव जीतने के लिए हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

राजस्थान में बार-बार लाल डायरी की आधारहीन बात करना लगभग वैसा ही है जिस प्रकार वे छत्तीसगढ़ में आकर भूपेश बघेल की सरकार को बगैर तथ्यों या प्रमाणों के भ्रष्ट कहते हैं। बघेल पर उनका आरोप यह है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं व पार्टी के लिये एटीएम बनाकर रख दिया है। यानी यहां से खूब सा पैसा दिल्ली भेजा जाता है। हालांकि यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियों, खासकर प्रवर्तन निदेशालय व आयकर का मनमाना उपयोग विरोध को दबाने के लिए हुआ है, वह तो सामने है ही, उल्टे यहां भाजपा ही भ्रष्टाचार के कई मामले में फंसी हुई दिख रही है। यहां के एक भाजपा प्रत्याशी के कथित वायरल वीडियो में बताया जा रहा है कि जब यहां भाजपा सरकार थी तो यहां से पैसा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, उनकी पत्नी एवं अमित शाह तक जाता था। वैसे राजस्थान में जिस प्रकार से एक ईडी अधिकारी को घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है उससे ईडी की विश्वसनीयता तो घेरे में आई ही है, यह भी पता चल गया है कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल मोदी एवं शाह के इशारों पर सिर्फ विरोधियों को परेशान करने के लिये किया जा रहा है। बघेल पर भी सट्टा खिलाने वाले महादेव एप से 508 करोड़ लेने के आरोप लगाये गये पर पुष्टि एवं जांच के बिना।

इस बीच मध्यप्रदेश की मुरैना सीट पर विधानसभा का चुनाव लड़ रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के पुत्र देवेन्द्र सिंह तोमर के दो वीडियो पर भी मोदी मौन हैं जिनमें वे 500 करोड़ रुपयों के लेन-देन की बात कर रहे हैं। पहले इसे फर्जी बतलाकर बचने की कोशिशें हो रही थीं, लेकिन कनाडा में बैठे उस व्यक्ति ने इसकी पुष्टि कर दी है जो देवेन्द्र सिंह से ये बातें कर रहा है। गहलोत-बघेल पर आरोप लगाने वाले मोदी और शाह के साथ ईडी, सीबीआई, आईटी आदि इस मामले पर एकदम चुप्पी साध लेते हैं।

पटाखे, आस्था और संघ परिवार

वैसे तो प्रकृति से जुड़ी आपदाओं में से अधिकांश के पीछे किसी न किसी प्रकार से इंसानों की करनियों का हाथ रहता ही है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाएं इसका जाना-माना उदाहरण हैं। फिर भी, आम तौर पर देश भर में और खासतौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को दीवाली की रात से वायु प्रदूषण के जिस संकट को झेलना पड़ रहा है, उसके पीछे जितने प्रत्यक्ष रूप से इंसानों की करनी है, उसका स्तर अलग ही है। वास्तव में इसे आत्मघाती करनी कहा जाए, तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। और जैसे खासतौर पर इसी सच्चाई को रेखांकित करने के लिए, इस बार की दीवाली से दो दिन पहले से, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उससे भी व्यापक दायरे में, अप्रत्याशित बारिश ने वातावरण को असामान्य रूप से साफ कर दिया था। याद रहे कि इससे पहले, करीब हफ्तेभर से इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण 'खतरनाक' स्तर पर बना रहा था, जिस पर अंकुश लगाने की कोशिश में राजधानी दिल्ली समेत इस क्षेत्र की विभिन्न सरकारों ने अनेक आपात कदम उठाए थे, जिनमें निर्माण गतिविधियों पर अंकुश लगाने, वाहनों के धुंए के प्रदूषण को कम करने से लेकर, स्कूलों को बंद करने तक के कदम शामिल थे।

यही नहीं, पिछले कुछ वर्षों की तरह, एक बार फिर पंजाब, हरियाणा आदि में किसानों के पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण का मुद्दा प्रमुखता से चर्चा आया था और सुप्रीम कोर्ट तक ने इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करना जरूरी समझा था। इसी संकट के पराली से जरा भिन्न संदर्भ में, दीवाली के गिर्द आतिशबाजी के सिलसिले में भी सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया था और उसने न सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर लगी पाबंदी को सही और जरूरी ठहराते हुए, इस पाबंदी को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज किया था, बल्कि इसे लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के तकाजों से जोड़ते हुए, हरित-इतर पटाखों पर पाबंदी का देशभर में विस्तार करना भी जरूरी समझा था। इस सब के बीच प्रकृति ने इस क्षेत्र में अचानक बेमौसमी बारिश के रूप में जो उदारता दिखाई थी, उसके बल पर इस बार दीवाली के दिन शाम तक वातावरण असाधारण रूप से साफ था और एक्यूआई सूचकांक, पिछली अनेक दीवालियों की शामों के मुकाबले, वायु प्रदूषण बहुत कम दिखा रहा था। लेकिन तभी तक, जब तक कि आम तौर पटाखे चलना शुरू नहीं हुआ था।

दीवाली पर देर शाम से पटाखे चलने का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां तो खैर उड़ाईं सो उड़ाईं, बारिश के जरिए प्रकृति द्वारा दमघोंटू वातावरण से दिलाई गई राहत की भी धज्जियां उड़ा दीं। नतीजा यह हुआ कि दीवाली की अगली सुबह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण, फिर से बारिश से पहले के 'खतरनाक' स्तर पर ही नहीं पहुंच गया, उस खतरनाक स्तर की भी एकाध सीढ़ी और चढ़ गया। इस क्षेत्र में एक्यूआई औसतन 500 अंक से ऊपर पहुंच गया।

बहरहाल, बात सिर्फ इतनी ही होती तब भी गनीमत थी। इसे अपने हाथों, अपने लिए मुसीबत खड़ी करने की मूर्खता का मामला कहकर, ऐसा करने वालों की नादानी पर रोया जा सकता था। वैसे, इस नादानी पर रोना भी, कुछ कारणों से साधारण रोना भर नहीं होता। एक तो इसलिए कि यह नादानी कोई अनजाने में नहीं की जा रही थी। कम से कम आम तौर पर सभी को इसका कुछ न कुछ अंदाजा जरूर हो चुका है कि गंगा-जमुना के मैदान की, सर्दियों में वातावरण के खराब होने की जो प्राकृतिक समस्या है, उसे दीवाली के गिर्द खतरनाक रूप से बढ़ाने में, जिस तरह मोटर वाहनों के धुंए का और पराली जलाने के धुंए का महत्वपूर्ण योगदान है, उसी तरह समय विशेष पर पटाखों के धुंए का भी महत्वपूर्ण योगदान है। जब वायु प्रदूषण को खतरनाक स्तर से नीचे लाने के लिए दूसरे सभी उपाय आजमाए जा रहे हों या कम से कम उनके बारे में सोचा जा रहा हो, 'खुशी जताने' के लिए पटाखे चलाने से बचे जाने के लिए, सामान्य ज्ञान से ज्यादा की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

राजेंद्र शर्मा

> वायु प्रदूषण के खिलाफ हिंदू आस्थाएं किसी प्रकार के कवच या मास्क का काम करने वाली हों और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से हिंदू बचे रह जाने वाले हों! वर्ना सामान्य ज्ञान तो यही कहता है कि हिंदू अगर आबादी का 80 फीसद से ज्यादा हिस्सा हैं, तो कुल मिलाकर वायु प्रदूषण के नुकसान में भी उतना ही ज्यादा उनके हिस्से में आएगा! यह हिंदू आस्था का सवाल हो न हो हिंदू आस्थाओं को आत्मघाती बनाने का मामला जरूर है।

इस सिलसिले में यह याद दिलाने की भी जरूरत नहीं होगी कि पटाखे चलाने से बचे जाने की यह मांग कोई अचानक नहीं आ गई थी। इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण के संकट पर चर्चा ने जब से जोर पकड़ा है, तभी से इस समस्या के एक हिस्से के तौर पर पटाखे चलाए जाने को हतोत्साहित करने के विवेक का भी प्रचार-प्रसार हुआ है। यहां तक कि सरकारों द्वारा और उच्चतर अदालतों द्वारा भी पटाखों पर बढ़ते पैमाने पर रोक भी लगाई जाती रही है। इसी सिलसिले की ताजातरीन कड़ी के तौर पर सुप्रीम कोर्ट ने गैर-हरित पटाखों पर पाबंदी को विस्तार कर, पूरे देश पर लागू कर दिया था। और यह विस्तार भी पूरी तरह से विवेकपूर्ण था क्योंकि दीवाली पर 'खुशी से पटाखे' चलाने का रिवाज, तेजी से देश के बड़े हिस्से में फैला है और उसका गंगा-यमुना के मैदानी इलाके के बाहर के अनेक प्रमुख शहरी केंद्रों में भी वायु प्रदूषण का संकट बढ़ाने में काफी योगदान रहा है। यह संयोग ही नहीं है कि इस बार दीवाली की अगली सुबह, दुनिया के दस सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण के मारे महानगरों में, दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकाता भी शामिल हो चुके थे!

तो क्या सब के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हुए भी 'खुशी के पटाखे' चलाने की इस जिद को सिर्फ एक धार्मिक आस्था का और इस धार्मिक आस्था के विवेक के खिलाफ जाने से, इसे सिर्फ धार्मिक अंधविश्वास का मामला माना जा सकता है। हर्गिज नहीं। बेशक, बड़े पैमाने तथा व्यापक स्तर पर पटाखे चलाए जाना, दीवाली से जुड़ा हुआ है, हालांकि खुशी में पटाखे चलाना न तो दीवाली तक सीमित है और न ही ऐसे धर्म से जुड़े त्यौहारों तक ही सीमित है। शादी-विवाह से लेकर, चुनावी जीत और राष्ट्रीय त्यौहारों तक के मौके पर, आतिशबाजी खुशी जताने का एक स्वीकृत साधन रही है। दूसरी ओर, पटाखों के औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के साथ आधुनिक दौर में दीवाली के मौके पर पटाखे चलाना आम जरूर हो गया है, लेकिन गंधक-बारूद के उपयोग से विस्फोटक बनाए जाने का इतिहास, इतना पुराना भी नहीं है कि पटाखों को, दीवाली से जुड़ी धार्मिक आस्था का जरूरी अंग या तत्व माना जा सके। दीवाली से जुड़े अनेक विश्वास, कम से कम सातवीं सदी में चीन से पटाखों के आने से पुराने जरूर होंगे। बेशक, धार्मिक आस्थावान, अपने विश्वासों को आसानी से छोड़ने के लिए तैयार नहीं होता है, इसके लिए उन्हें विवेक की कसौटी पर कसने से बचता भी है; लेकिन उन्हें अविवेकपूर्ण मानते हुए उनका बचाव शायद ही करता है। उल्टे अविवेकपूर्ण नजर आने की सूरत में धीरे-धीरे किंतु निश्चित रूप से उनका त्याग ही करता है।

लेकिन धार्मिक आस्था के विपरीत, धर्म का लबादा ओढ़कर सामने आने वाली राजनीतिक आस्था या सांप्रदायिकता का आचरण इससे बहुत भिन्न होता है। वह चूंकि धार्मिक आस्थाओं का सांप्रदायिक राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए ही उपयोग करती है, वहां धार्मिक आस्थाओं में काट-छांट तो खूब होती है, इतनी ज्यादा की धार्मिक आस्थाएं ही पहचान में नहीं आएं; लेकिन धर्म की दुहाई की यह राजनीति कथित 'आस्थाओं' में किसी भी तरह से, विवेक प्रवेश नहीं होने देती है। उल्टे, विवेक के विरुद्ध इन कथित आस्थाओं को अपना हथियार ही बनाती है। दीवाली से जोड़कर पटाखों के सवाल पर, संघ परिवार के औपचारिक नेतृत्व को छोड़कर, उसकी तमाम सेनाओं की जो हमलावर नकारात्मक भूमिका रही है, उसे महज धार्मिक आस्था से बहुत भिन्न, इस सांप्रदायिक राजनीति के रूप में ही समझा जा सकता है।

किसी को यह देखकर हैरानी होगी कि सारत: 'हिंदुओं के अपने त्योहार पर पटाखे चलाने के अधिकार' की पैरवी की यह दलील, दीवाली पर 'सुप्रीम कोर्ट की रोक' की धज्जियां उड़ने को, 'नागरिक अवज्ञा आंदोलन' बताकर गौरवान्वित करने पर ही नहीं रुक जाती है, उसे 'हिंदुओं की जीत' बताने की हद तक जाती है। जैसे वायु प्रदूषण के खिलाफ हिंदू आस्थाएं किसी प्रकार के कवच या मास्क का काम करने वाली हों और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से हिंदू बचे रह जाने वाले हों! वर्ना सामान्य ज्ञान तो यही कहता है कि हिंदू अगर आबादी का 80 फीसद से ज्यादा हिस्सा हैं, तो कुल मिलाकर वायु प्रदूषण के नुकसान में भी उतना ही ज्यादा उनके हिस्से में आएगा! यह हिंदू आस्था का सवाल हो न हो हिंदू आस्थाओं को आत्मघाती बनाने का मामला जरूर है। धर्म का लबादा ओढ़कर सामने आने वाली राजनीतिक आस्था सिर्फ इसी मामले में नहीं, हरेक मामले में, जिस धार्मिक आस्था को छूती है, उसे आत्मघाती बनाने का काम जरूर करती है। सियाराम का जय श्रीराम में रूपांतरण इसी का एक और उदाहरण है। सांप्रदायिकता की राजनीति, जिस धर्म की दुहाई देती है, उसमें आस्था रखने वालों को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

परमाणु-विरोधी आन्दोलन और विश्व संगठन तत्काल युद्धविराम के लिए काम करें

■ **डॉ. अरुण मित्रा**

मौजूदा सदी में सबसे खराब किस्म का संकट है गाजा में मानवीय त्रासदी। लगभग 11000 लोग, जिनमें से 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं, उनमें से 40 प्रतिशत 15 साल से कम उम्र के बच्चे हैं, घनी आबादी वाले क्षेत्र में असंगत आक्रामकता और अभूतपूर्व बमबारी से मारे गये हैं। गाजा में हर 10 मिनट में एक बच्चे की मौत हो रही है। अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों सहित अधिकांश बुनियादी ढांचे मलबे में तब्दील हो गये हैं। इस विनाश से संतुष्ट न होकर इजराइल के हेरिटेज मंत्री अमीचाईएलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी।

हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया है, जो महज एक धोखा है और खुद को चौतरफा आलोचना से बचाने के लिए उठाया गया कदम है। यह मानना नादानी होगी कि मंत्री का बयान इजराइली सरकार के आंतरिक हलकों में बिना किसी चर्चा के आया है। न तो प्रधानमंत्री नेतन्याहू और न ही किसी अन्य अधिकारी ने इज़राइल के पास परमाणु हथियार होने से इनकार किया है। इससे पहले की अटकलों की पुष्टि हो गई है कि इजराइल एक परमाणु हथियार संपन्न देश है। गाजा पर इजराइली आक्रमण, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह 7अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद प्रेरित हुआ था, वस्तुत: फिलिस्तीनियों के जातीय सफाये में बदल गया है।

> संयुक्त राज्य अमेरिका झूठे बहाने और अप्रमाणित सुबूतों के आधार पर इराक पर हमला करने में सबसे आगे था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार थे परन्तु आज उसने इजरायली मंत्री के बयान पर चुप्पी साध ली है। अमेरिका हमेशा ईरान पर परमाणु हथियार रखने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन अब जब इजराइली मंत्री ने खुलेआम परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी दी है, तो अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों की चुप्पी परेशानकुन है।

संयुक्त राज्य अमेरिका झूठे बहाने और अप्रमाणित सुबूतों के आधार पर इराक पर हमला करने में सबसे आगे था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार थे परन्तु आज उसने इजरायली मंत्री के बयान पर चुप्पी साध ली है। अमेरिका हमेशा ईरान पर परमाणु हथियार रखने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन अब जब इजराइली मंत्री ने खुलेआम परमाणु हथियार के इस्तेमाल की धमकी दी है, तो अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों की चुप्पी परेशानकुन है। आईएईए ने भी एक शब्द नहीं कहा है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जिसके पास नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराधों जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार है, अमेरिका के स्पष्ट समर्थन के साथ नेतन्याहू सरकार द्वारा हजारों बच्चों का नरसंहार देखने के बाद भी चुप है।

यह दुख की बात है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तत्काल युद्धविराम के जॉर्डन के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। भारत का मतदान से अनुपस्थित रहना इजराइली सरकार द्वारा हत्याओं को उचित ठहराने के समान है। इजराइल के प्रधानमंत्री पहले ही भारत के रुख की तारीफ कर चुके हैं। 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किये गये हमले को उचित नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने बताया है कि 'इज़राइल पर हमास के हमले शून्य में नहीं हुए'। इज़राइल और अमेरिका ने एक कहानी बनाई है कि इज़राइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, जबकि इतिहास भरा पड़ा है ऐसी घटनाओं से जब इज़राइल ने न केवल फिलिस्तीनी भूमि पर कब्जा कर लिया है, बल्कि उन्हें बाहर धकेल दिया है और उन्हें राज्यविहीन नागरिक बना दिया है और इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय कानून और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के दो राष्ट्र सिद्धांत को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है, जैसा कि 1967 में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत रूस के हस्तक्षेप से इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच अपनाया गया था। अपने अपराधों को सही ठहराने के लिए हमलावरों द्वारा झूठी कहानियां गढ़ी जाती हैं। वे किसी न किसी बहाने से विपरीत का प्रदर्शन करते हैं। नाज़ियों ने जर्मनी की बुराइयों के लिए यहूदियों को दोषी ठहराया। उन्होंने यह मिथक फैलाया कि जर्मनी प्रथम विश्व युद्ध में युद्ध के मैदान पर नहीं, बल्कि घरेलू मोर्चे पर विश्वासघात के कारण हारा था। यहूदियों, सोशल डेमोक्रेट्स और कम्युनिस्टों को ज़िम्मेदार ठहराया गया। युद्ध में यहूदियों की भूमिका के बारे में पूर्वाग्रह झूठे थे। एक लाख से अधिक जर्मन और ऑस्ट्रियाई यहूदियों ने अपनी पितृभूमि के लिए लड़ाई लड़ी थी। हिटलर ने उपरोक्त तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया और सामूहिक उन्माद पैदा करने और उनमें से 60 लाख से अधिक को खत्म करने के लिए यहूदियों के खिलाफ झूठी कहानी का इस्तेमाल किया।

ऐसे कट्टरपंथी अपनी श्रेष्ठ जाति होने की बात भी करते हैं और सबको अपने अधीन करने के अधिकार को उचित ठहराते हैं, यहां तक कि 'निचले लोगों' को खत्म भी कर देते हैं। चर्चिल के भी ऐसे ही विचार थे। 1937 में, उन्होंने फ़िलिस्तीन रॉयल कमीशन से कहा: 'उदाहरण के लिए, मैं यह स्वीकार नहीं करता कि अमेरिका के रेड इंडियंस या ऑस्ट्रेलिया के काले लोगों के साथ बहुत बड़ा गलत किया गया है। मैं यह स्वीकार नहीं करता कि इनके साथ कोई गलत काम किया गया है।' लोग इस तथ्य से सहमत हैं कि एक मजबूत जाति, एक उच्च श्रेणी की जाति, इसे इस तरह से कहें तो एक अधिक सांसारिक बुद्धिमान जाति ने आकर उनकी जगह ले ली है।' 1943 में, भारत, जो उस समय भी ब्रिटिश आधिपत्य में था, ने बंगाल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विनाशकारी अकाल का अनुभव किया। माना जाता है कि कम से कम तीस लाख लोग मारे गये थे। चर्चिल ने अकाल के लिए भारतीयों को दोषी ठहराया और दावा किया कि वे 'खरगोशों की तरह प्रजनन करते हैं'। हालांकि सच्चाई यह है कि बंगाल के लोगों के लिए जो भोजन उपलब्ध था उसे बर्मा में ब्रिटिश सेना को भेज दिया गया था। 1994 में रवांडा में हुतु शासक जनजातियों ने तुत्सी अल्पसंख्यक के खिलाफ नफरत फैलाई, जिससे केवल 100 दिनों में आठ लाख लोग मारे गये।

1947 में विभाजन के दौरान भारत को एक गंभीर मानवीय संकट का सामना करना पड़ा जिसमें कट्टरपंथियों द्वारा 25 लाख हिंदू, मुस्लिम और सिखों को मार डाला गया। दुर्भाग्य से अल्पसंख्यक विरोधी बयानबाजी वर्तमान में यहां फैल रहा है क्योंकि हम देख रहे हैं कि केंद्र में सत्तारूढ़ व्यवस्था के खुले समर्थन से हिंदू कट्टरपंथियों द्वारा अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को दानव की तरह पेश या वर्णित किया जा रहा है।

हमें समझना होगा कि ज़ायोनीवाद को यहूदियों से, नाज़ीवाद को जर्मनों से और हिंदुत्व (हिंदू कट्टरवाद) को हिंदुओं से अलग करना होगा। सभी मुसलमानों को आतंकवादी नहीं माना जा सकता। ऐसी विचारधारा विनाशकारी हो सकती है और केवल युद्ध फैलाने वालों के लिए उपयोगी हो सकती है। इसलिए इजराइली विरासत मंत्री के बयान को गंभीरता से लेना होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें दुनिया की प्रतिक्रिया देखने के लिए बोलने के लिए कहा गया था।

अमेरिका सैन्य औद्योगिक परिसर के निर्माण और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध पैदा करके अपने आर्थिक संकट को हल करने की कोशिश कर रहा है। नाटो पहले से ही एशिया के दरवाजे पर है। क्वैड और एयूसीकेयूएस जैसे संगठन एशिया प्रशांत क्षेत्र में शांति के लिए ख़तरा हैं।

लोगों की आवाज शांति के लिए है। तत्काल युद्ध विराम के लिए दुनिया भर में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। तत्काल युद्धविराम के लिए दक्षिण अफ्रीका की शांति योजनाएं बहुत उपयुक्त हैं और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इस समय परमाणु-विरोधी आंदोलन को और अधिक मुखर होना होगा।

पावन प्रसंग

कठिन समय का सामना कैसे करें

यह जीवन एक अद्भुत ईश्वर प्रदत्त उपहार है, जो परिस्थितियों के जटिल चक्रव्यूह से होकर आगे बढ़ता रहता है, जिसमें कभी खुशी तो कभी गम, कभी हार तो कभी जीत, कभी उतार तो कभी चढ़ाव आते रहते हैं। घटनाक्रमों के इन सिलसिलों के बीच कठिन एवं विकट पल भी आते हैं, जब जीवन दूभर हो जाता है। यदि व्यक्ति ऐसे समय में नहीं संभले तो उसको टूटते-बिखरते देर नहीं लगती। लेकिन क्या सही समझ व धैर्य के साथ इसका सामना किया जाए, तो यही विषम पल व्यक्ति के उत्कर्ष का माध्यम बन जाते हैं और जीवन के उच्चतर सत्य की ओर ले जाते हैं। जीवन के विकट पल हमारे लिए उत्थान व उत्कर्ष का अवसर बने, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। जिसमें सर्वप्रथम है परिस्थिति को स्वीकार करना। जो भी विकट घटना या जीवन के कठिन पल हैं, उन्हें स्वीकार करें। इसे ईश्वर का दिया हुआ उपहार मानें या अपने कर्मों से जुड़ा गहन रहस्य समझें, जो जीवन की नई समझ देने के लिए आया है। इस समझ व स्वीकृति के साथ ही संघर्ष की नई ऊर्जा का संचार होता है। विकट परिस्थिति को अपनी नियति का एक हिस्सा मानते ही चुनौती के रूप में आभासित पल आगे बढ़ने के अवसर बन जाते हैं। इन कठिन पलों में अपनों का संग-साथ महत्वपूर्ण भूमिका निबाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अपने परिवारजनों, मित्रों व शुभचिंतकों का संग इन पलों से उबरने में निर्णायक भूमिका निभाता है। इनसे प्राप्त भावनात्मक सिंचन जीवन की कली को मुरझाने नहीं देता, इनका सहारा टूटने बिखरने के कगार पर खड़े अस्तित्व को संभाले रहता है। लेकिन दूसरों के सहारे ही जीवन की नैया पार होगी, ऐसी भी गलतफहमी नहीं पाली जा सकती। जीवन का सामना अंतत: अपने दमखम पर ही करना होता है और दूसरों के साथ की अपनी सीमा रहती है।

इसके लिए स्वयं को समय देना अभीष्ट हो जाता है। कठिन समय में जीवन के बिखरने व टूटने का खतरा रहता है, ऐसे में अपने तन-मन व आहार-विहार, शारीरिक सक्रियता, विश्राम एवं नींद का सहारा लें। शरीर के साथ मन का श्रेष्ठ नियोजन करें। अपने कर्तव्य कर्मों में निमग्न रहें। ये सब अनावश्यक तनाव-अवसाद से बचाए रखते हैं। नियमित कागज पर अपने मनोभावों को लिखने का अभ्यास करें। इनके साथ मन का गुबार बाहर निकलता है तथा चित्त का बोझ हल्का होता है और आप बेहतर अनुभव करते हैं। प्रकृति की गोद में कुछ समय अवश्य बिताएं, जो मन की शांति स्थिरता के लिए संजीवनी का काम करता है साथ ही जीवन के अर्थ व उद्देश्य को तलाशें, जो व्यक्ति को जीवन की गहराइयों में प्रतिष्ठित करता है और एक सार्थकता की अनुभूति के साथ मनोबल व आत्मबल के अनुदान दे जाता है। इसके लिए नियमित रूप से आत्मनिरीक्षण से लेकर आत्मसुधार एवं निर्माण का न्यूनतम कार्यक्रम निर्धारित करें। दैनिक क्रियाकलापों में अपनी रुचियों को स्थान दें।

ये जीवन में एक नया रस व रंग घोलने का काम करते हैं। नित्य इनके लिए कुछ समय अवश्य दें, ये जीवन में एक नई ताजगी व उल्लास भरने वाले उपक्रम साबित होंगे। इलके साथ स्वयं को सतत प्रेरित करते रहें। श्रेष्ठ पुस्तकों को पढ़ें व प्रेरक लोगों की संगत तलाशें। एक समय एक कदम उठाएं तथा जीवन की छोटी-छोटी विजय को हासिल करते चलें। ये जीवन के प्रति आशा व उत्साह से लबरेज रखने का माध्यम बनेंगे।

जीवन को अत्यधिक गंभीरता से न लें तथा स्वयं के प्रति उदारता का भाव रखें। साथ ही दूसरों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखें। साथ ही दूसरों को सरस- सुखद बनाए रखने में सहायक बनते हैं साथ ही कठिन दौर में कुछ बातों को याद रखें। आप पहले भी ऐसी व इससे भी कठिन परिस्थितियों को पार कर चुके हैं और आप पुन: इससे बाहर निकल जाएंगे।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

पुरुष संवेदनशीलता के बिना महिला सशक्तिकरण अधूरा

मान लीजिए कि किसी पिछली सदी का कोई व्यक्ति आज हमारे समय में आता है। जब वे महिलाओं को विमान, कार, बस आदि चलाते हुए देखेंगे तो उन्हें कैसा झटका लगेगा। उनकी भ्रम की स्थिति की कल्पना करें जब उन्हें पता चलता है कि भारत में एक तिहाई गांवों का नेतृत्व महिला सरपंचों द्वारा किया जाता है, जबकि पुरुष घर पर बूढ़े माता-पिता या अन्य घरेलू कामों की देखभाल कर सकते हैं। आज हमारे लिए यह सब रोजमर्रा की बात लग सकती है, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जिसके पास लिंग-आधारित बहुत कठोर और सख्त विचार हैं, लिंग-आधारित मानदंडों में रहते हैं और विश्वास करते हैं और समाज को पितृसत्ता के चश्मे से देखते हैं, महिलाओं को अपनी शादियों में दखल देने और अन्य लिंगों के प्रति बढ़ती स्वीकार्यता से उनको अधिक झटका लगेगा। लैंगिक भूमिकाएं और अपेक्षाएं सदियों से समाज में व्याप्त हैं। लड़कियों से आज्ञाकारी, विनम्र और पोषण करने वाली होने की उम्मीद की जाती है, जबकि लड़कों से मजबूत, दृढ़ और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद की जाती है। ये अपेक्षाएं अक्सर प्रतिबंधों और मांगों के साथ आती हैं जो दोनों लिंगों के लिए समान रूप से हानिकारक हो सकती हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि पितृसत्ता और लिंग-आधारित अलगाव आज भी बहुत प्रचलित है, बल्कि मुद्दा यह भी है कि यह जानने के बावजूद यह लगातार फल-फूल रहा है। यदि यह एक महिला को अनुचित और अतार्किक प्रतिबंधों से विकलांग बनाता है, तो यह पुरुष को अत्यधिक और अप्राकृतिक अपेक्षाओं से विकलांग बनाता है।

आज भी लड़कियों को परिवार में आर्थिक और सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाता है। एक कारण के रूप में, एक युवा लड़की के सपनों को अक्सर छोटा कर दिया जाता है, और उसे कम उम्र में ही दूसरे परिवार पर बोझ के रूप में निपटा दिया जाता है। यह सिर्फ विकासशील या गरीब देशों की घटना नहीं है, बल्कि अच्छे मानव सूचकांक वाले विकसित देशों में भी बाल विवाह में वृद्धि देखी जा रही है। जब एक युवा लड़की, जिसके पास बच्चों को जन्म देने और घरेलू काम करने के अलावा जीवन में कोई संभावना नहीं होती, की शादी एक परिवार में कर दी जाती है, तो वहां भी उसे बोझ के रूप में या सबसे खराब स्थिति में पति की संपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में, जिन महिलाओं के पास किसी भी आर्थिक एजेंसी का अभाव होता है। वे घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, वैवाहिक बलात्कार, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों आदि का शिकार बन जाती हैं। महिलाओं की भूमिका को व्यवस्थित रूप से घर की चार दीवारों तक सीमित कर दिया गया है और समाज में उनकी जो भी भूमिका हो सकती थी, उसे विनम्रता के नाम पर छीन लिया गया है। महिलाओं की शिक्षा रोक दी गई है और उन्हें अच्छे धार्मिक प्रथाओं के नाम पर दासता का जीवन जीने के लिए मजबूर किया जाता है। पितृसत्ता का सार हमारे दिमाग में इस तरह अंतर्निहित हो गया है कि हमें अक्सर इसका एहसास भी नहीं होता है कि हम इसे कब और कैसे व्यवहार में लाते हैं। प्रतिबंधों का लड़कियों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है। जब लड़कियों को लगातार बताया जाता है कि वे क्या नहीं कर सकती हैं या उन्हें क्या नहीं करना चाहिए, तो वे यह मानने लगती हैं कि वे अपने लक्ष्य हासिल करने में सक्षम नहीं हैं। इससे महत्वाकांक्षा की कमी और जोखिम लेने का डर पैदा हो सकता है। वह एक अलग कैरियर मार्ग चुन सकती है जिसके बारे में वह भावुक नहीं है। इसके अलावा, लड़कियों पर लगाए गए प्रतिबंध उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकते हैं। वे अपने ऊपर लगाई गई अपेक्षाओं के कारण फंसा हुआ और घुटन महसूस कर सकते हैं, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है।

-प्रियंका सौरभ

सार समाचार

अपहृत बालिका को सिटी कोतवाली ने किया दस्तयाब

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र से अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार को पीडिता के पिता द्वारा गुना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 11 नवम्बर की शाम को उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से पास ही दुकान पर सामान लेने गई थी। लेकिन जो काफी देर बाद भी वापस घर नहीं लौटी तो उसके द्वारा अपनी पुत्री को तलाश किया गया। जिसे उसने हर संभावित जगह पर तलाश कर लिया लेकिन उसका कहीं कोई पता नही चल पा रहा है। जिसकी रिपोर्ट पर से गुना कोतवाली में अपराध क्रमांक 964/23 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण की नाबालिग अपहृता की जल्द से जल्द दस्तयाबी हेतु गुना कोतवाली टीआई अनूप कुमार भार्गव द्वारा तत्काल पुलिस की एक टीम गठित कर अपहृता की तलाश में लगाया गया। उक्त टीम अपहृता की तलाश में सरगर्मी से जुट गई और इसमें विभिन्न तकनीकि संसाधनों की मदद से अपहृता की निरंतर तलाश की गई एवं अपहृता के संबंध में मिली जानकारी के आधार पर कडी से कडी मिलाकर सघन दविशें दी गईं, जिसके परिणाम स्वरुप विगत दिवस प्रकरण की अपहृता के संबंध में प्राप्त सूचना पर गुना कोतवाली पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुये प्रकरण की अपहृता को दस्तयाब कर लिया गया और विधिवत कार्यवाही उपरांत उसे उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। कोतवाली पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, उपनिरीक्षक अंजलि गुप्ता, उपनिरीक्षक माधवी तोमर एवं सउनि राजीव गौड़ की सराहनीय भूमिका रही है।

औद्योगिक क्षेत्र के कर्मियों को मतदान करने हेतु भरवाये गये संकल्प पत्र

गुना, देशबन्धु। जिला व्यापार और उद्योग केन्द्र गुना के तहत औद्योगिक क्षेत्र कुशमोदा एवं औद्योगिक क्षेत्र गुना एवं गुना जिले में कार्यरत प्रमुख 45 उद्योग द्वारा अपने यहां कार्यरत 522 कर्मचारियों को मतदान दिवस 17 नबम्वर को सवैतनिक अवकाश दिया है और उद्योगपतियों द्वारा स्वयं एवं अपने कर्मचारियों से परिवार सहित मतदान हेतु संकल्प लिया है और संकल्प पत्र भरवाये हैं। जो संकल्प पत्र भरवाये गये हैं उसमें उद्योगपतियों द्वारा कहा गया कि हम भारत के लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह संकल्प करते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे। मेरे उद्योग में कार्यरत सभी कर्मचारियों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष अपने परिवार सहित शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए 17 नवम्बर 2023 को मतदान के लिये अवकाश दूंगा। मैं स्वयं भी परिवार सहित मतदान करूंगा। उद्योगपतियों के माध्यम से कर्मचारियों का संकल्प भरवाया गया, उन्होंने कहा है कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह संकल्प करते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे। मैं स्वयं स्वतंत्र एवं निष्पक्ष अपने परिवार सहित शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे''।

5 करोड़ से अधिक का माल जलकर खाक

कपड़ा गोदाम पर लगी भीषण आग, 8 दमकलें 12 घंटे तक बुझाती रहीं आग

गुना, देशबन्धु। शहर के बोहरा मस्जिद चौराहे पर बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात एक कपकड़ गोदाम में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लगभग बारह घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। गुना की तीन-तीन फायर बिग्रेड के अलावा एनएफएल-गैल, राघौगढ़ एवं आरोन से फायर बिग्रेड मंगाई गई। आगजनी में करीब पांच करोड़ रुपए का नुकसान बताया जाता है। घटना बुधवार देर रात की है जब गोदाम से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद दमकल की गाडियां घटना स्थल पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किए, जो सुबह 12 बजे तक जारी रहे। हालांकि, अभी आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस शार्ट सर्किट ही प्रारंभिक वजह मान रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोहरा काम्पलेक्स की गली में सुदीप जैन निवासी चौधरन कालोनी की थोक कपड़ा की गोदाम है। यहां साडिया एवं अन्य कपड़े रखे हुए थे। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब एक बजे अचानक गोदाम में आग लग गई। इधर, जैसे ही आसपास के लोगों ने धुआं उठता देखा, तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। इसके बाद नपा की दमकल घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाना शुरू किया। लेकिन गोदाम में कपड़ा और साडिया होने से आग तेजी से भडक रही थी। इसे देखते हुए नपा गुना के अलावा गेल विजयपुर, राघौगढ़ और आरोन से भी दमकल बुलाई गईं। करीब आठ फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच चुकी थीं, जिससे आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन गोदाम में कपड़ा होने से पूरी तरह आग नहीं बुझ पाई।

गोदाम में रह-रहकर आग धधक रही है। इसे देखते हुए गुरुवार सुबह भी दमकल आग बुझाती रहीं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार खत्री ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही घटनास्थल पहुंचे थे। आग लगने के स्पष्ट कारण का पता लगाया जा रहा है, लेकिन प्रथमदृष्टया शार्ट सर्किट से आग लगना प्रतीत हो रहा है। घटना के बाद मौके पर पार्षद दिनेश शर्मा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि अरविंद गुप्ता मौके पर पहुंचे। इस दौरान रात भर उन्होंने फायर बिग्रेड का इंतजाम किया। इस मौके पर श्री गुप्ता ने बताया कि लगभग 70 से 80 बार फायर बिग्रेडों का पानी लग चुका है। पूरा अमला रात भर युद्धस्तर पर आग बुझाने का काम करती रही। नपा की सजगकता के कारण आग बस्ती में नहीं फैली।

इस पूरी आगजनी की घटना की सूचना लगते ही मौके पर सैंकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जो सुबह तक रही। इस दौरान वार्ड के पार्षद दिनेश शर्मा(चुग्गी) और नगरपालिका में विधायक व अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविंद गुप्ता भी रातभर मौके पर मौजूद रहे। अरविंद गुप्ता और दिनेश शर्मा ने बताया कि इस भीषण आगजनी की घटना में लगभग 5-6 करोड़ के नुकसान की जानकारी बताई जा रही है। अरविंद गुप्ता ने बताया कि रात में आग विकराल थी और इसे इलाके में फैलने से रोकने की बड़ी चुनौती थी। नगरपालिका और दमकल कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से आग पर काबू पाने में रातभर से जुटे हैं। आरोन, राघौगढ़ और एनएफएल से दमकल वाहन बुलाए गए। एसपी विजय कुमार खत्री भी सुबह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर संबंधितों से जानकारी ली गई।

मोटरसाइकिल सवार ने जीजा-साले को मारी टक्कर, साले की मौत

गुना, देशबन्धु। मधुसूदनगढ़ थानांतर्गत ग्राम कोलारस निवासी मोटरसाईकिल पर सवार जीजा-साले की भीषण भिड़ंत पीछे से आ रही दूसरी मोटर सायकिल से हो गई। जिसमें साले की मौत हो गई, जबकि जीजा को गंभीर स्थिति में भोपाल रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलारस निवासी नेपाल पुत्र कन्हैयालाल मोगिया गत शाम अपनी मोटर साईकिल एमपी04 एमजी 1412 से अपने जीजा धन सिंह के साथ जामनेर से अपने ग्राम कोलारस तरफ आ रहे थे। जैसे ही ग्राम करईखेडा के पास गुना रोड पर पहुंचे तो पीछे से आ रही किसी अज्ञात मोटरसाइकल चालक द्वारा तेजी व लापरवाही से चलाकर टक्कर मार दी। जिससे दोनों नीचे रोड पर गिर गये थे। टक्कर लगने सेनेपाल एवं उसके जीजा धन सिंह मोगिया के सिर व शरीर में जगह जगह चोटें आईं। जिन्हें 108 एम्बूलेंस से इलाज के लिये अस्पताल मधुसूदनगढ़ ले आया। जहां पर डक्टर द्वारा नेपाल को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि धन सिंह मोगिया को इलाज हेतु गुना अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने अज्ञात बाईक चालक पर मामला दर्ज किया है।

चांचौड़ा क्षेत्र में आबकारी विभाग ने की अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के तहत अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रह, परिवहन एवं जहरीली शराब के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी जगन्नाथ किराडे के मार्गदर्शन में आज आबकारी वृत्त चांचौड़ा के प्रभारी राधाकिशन अटारिया आबकारी उपनिरीक्षक द्वारा थाना मृगवास के ग्राम झिकनी, खांपुरिया गांव में दबिश दी गयी। दबिश दौरान 02 आरोपी के कब्जे से 48 पाव प्लेन देशी मदिरा एवं 50 पाव मसाला देशी मदिरा जब्त की गई। साथ ही 106 पाव राजस्थान निर्मीत रॉयल व्हिस्की के खेड़ी घटा रोड के पास से जब्त किये गए। जिसे आरोपी क्षेत्र में बेचने के लिए ले जा रहा था वह आबकारी की गाड़ी देखकर रात का अंधेरा होने के कारण भाग निकला।

बूढ़े बालाजी केंद्र पर लगाया नेत्र परीक्षण शिविर

गुना, देशबन्धु। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बूढ़े बालाजी पर नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन गुरुवार को सेवा भारती की गुना शाखा के तत्वाधान में लायंस नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ सुनीता अग्रवाल, अनिरुद्ध सिंह सेंगर क्षत्रिय राजपूत समाज महासभा के राष्टीय सचिव एवं डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी द्वारा भगवान धन्वंतरि की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर लायंस नेत्र चिकित्सालय की टीम दीपक जादौन ऑप्टोमेट्रिक एवं कैंप सुपरवाइजर ऋषि भार्गव द्वारा 56 से अधिक रोगियों के नेत्र प्रशिक्षण कर उपचार किया गया। वहीं 6 मोतियाबिंद के लिए मरीजों को चिन्हित कर लायंस नेत्र चिकित्सालय रेफर किया गया। इन मरीजों को लायंस नेत्र चिकित्सालय तक लाना एवं लेजाना बिल्कुल नि:शुल्क है। लायंस नेत्र चिकित्सालय पर भर्ती मरीजों के भोजन, बिस्तर, लेंस, चश्मा आदि निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी द्वारा 150 रोगियों का निशुल्क उपचार कर दवाई वितरित की गई।

इस मौके पर स्टाफ नर्स कविता धाकड़ द्वारा 40 रोगियों के ब्लड प्रेशर, 40 रोगियों की डायबिटीज की जांच की गई। जबकि स्टाफ नर्स वर्षा कटरे द्वारा 5 रोगियों के ब्लड सैंपल लिए। शिविर में निधि श्रीवास्तव, कविता धाकड़, प्रियंका मरावी, वर्षा कटरे, उमा ठाकुर, आशा कार्यकर्ता अनसुइया शर्मा, शिल्पा कदम द्वारा आंखों के रोगियों को स्वास्थ केंद्र पर लाया गया, जिनकी निशुल्क जांच कर उपचार किया गया। सौरभ रघुवंशी, मेहरबान अहिरवार आदि स्टाफ द्वारा कैंप में सहयोग किया गया।

कलेक्टर ने एमसीएमसी कक्ष का किया आकस्मिक निरीक्षण

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण राठी द्वारा आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में विधानसभा निर्वाचन से संबंधित निर्वाचन कार्य की प्रक्रिया को अलग-अलग तरीके से नियंत्रित किया जायेगा एवं रिपोर्टिंग प्राप्त की जायेगी। इस संबंध में जिला स्तर पर चिन्हित मतदान केंद्रों पर वेब केमरे लगाये गये हैं, जिनके माध्यम से वेबकास्टिंग द्वारा मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी जायेगी। इसी प्रकार मतदान केंद्रों पर जिला स्तर से सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं, उनके वाहनों में जीपीएस लगाये गये हैं। जिनके द्वारा सतत भ्रमण किया जायेगा और उनकी मॉनिटरिंग पर जिला स्तर से निगरानी रखने की व्यवस्था की गयी है। इसी प्रकार मतदान दिवस को मॉकपोल की जानकारी ईव्हीएम के संचालन संबंधी जानकारी तथा प्रत्येक दो-दो घंटे में मतदान के प्रतिशत की जानकारी कम्युनिकेशन प्लान टीम द्वारा तैयार की जायेगी और आयोग को रिपोर्टिंग का कार्य भी कम्युनिकेशन टीम द्वारा किया जायेगा। इसी प्रकार जिला स्तर पर एमसीएमसी एवं मीडिया नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जिसमें 24 घंटे सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया द्वारा मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान दिवस को होने वाली गतिविधियों पर सतत नजर रखी जा रही है और आयोग को रिपोर्टिंग का कार्य किया जा रहा है।

आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरूण राठी द्वारा वेबकॉस्टिंग कक्ष, जीपीएस कक्ष, कम्युनिकेशन प्लान कक्ष एवं एमसीएमसी कक्ष का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और अलग-अलग कक्ष में जाकर टीम द्वारा किये जा रहे कार्यो का फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया गया कि 17 नवम्बर को हर गतिविधि पर नजर रखी जावे और समय पर आयोग को रिपोर्टिंग किया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान ई-गवर्नेंस प्रबंधक गौतम, लोक सेवा प्रबंधक भ्रगेन्द्र रघुवंशी उपस्थित रहे।

निर्वाचन आयोग में शिकायत एवं दबाव के बाद पुलिस ने बसपा प्रत्याशी पर किया मामला दर्ज

भाजपा-बसपा प्रत्याशी घर-घर बटवा रहे शराब और पैसा : शर्मा

मुरैना, देशबन्धु। मतदान से एक दिन पूर्व शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने पुलिस एवं प्रशासन पर नरेंद्र सिंह तोमर के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मुरैना विधानसभा में भाजपा एवं बसपा के प्रत्याशी शराब, रुपया एवं अन्य सामग्री का वितरण कर रहे हैं और मतदाताओं को डरा धमकाकर मतदान को प्रभावित करना चाहते हैं। बसपा प्रत्याशी राकेश सिंह द्वारा रुपए बांटने का वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई नहीं की गई, जब कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग को शिकायत की गई, तब भी पुलिस कार्रवाई में संकोच कर रही थी, लेकिन दबाव के चलते पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ा। इस मामले में अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस एवं प्रशासन की भूमिका पर कांग्रेस ने सवालिया निशान लगाया है।गुरुवार की शाम जिला कांग्रेस कार्यालय पर शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा एवं इलेक्शन एजेंट संजय मिश्रा एडवोकेट ने संयुक्त रूप से बताया कि हमारी पार्टी द्वारा निर्वाचन आयोग के नियम का पालन कर 15 नवंबर की शाम से ही प्रचार प्रसार पूरी तरह बंद कर दिया और ना ही कोई सामग्री बाटी जा रही है, लेकिन बसपा प्रत्याशी राकेश रुस्तम सिंह द्वारा रुपए बांटने का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पूरी रात पुलिस अधीक्षक से बात की गई, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद निर्वाचन आयोग को शिकायत की गई और तमाम दबाव के चलते राकेश सिंह पर मामला दर्ज किया गया है, जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, उसमें 1 वर्ष की सजा का प्रावधान है, लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि पुलिस एवं प्रशासन के संरक्षण में भाजपा एवं बसपा के प्रत्याशी रुपया, शराब, तोडिया, बिछिया, साड़ी एवं अन्य सामग्री तथा मिठाई के डिब्बो में रुपए बांट रहे हैं, लेकिन पुलिस नींद की गोली खाकर सो गई है और उठने का नाम नहीं ले रही। रात्रि 9:00 बजे से सुबह के 4:00 बजे तक यह सब खेल चल रहा है।

होटल की चेकिंग नहीं, बाहर के लोग अभी भी शहर में

प्रेस वार्ता में कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि पहले पुलिस एवं प्रशासन प्रचार थमने के पश्चात तत्काल होटल, लॉज, ढाबा आदि पर चैकिंग करता था और बाहरी लोगों को जिले की सीमा से निकाल दिया जाता था, लेकिन इस बार तमाम होटलों की चेकिंग नहीं की गई है और उनमें बाहरी लोग अभी भी ठहरे हुए हैं, जो मतदान को प्रभावित कर सकते हैं !

बीएलओ नहीं बांट रहे पर्ची, मतदाता कर रहे शिकायत

कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश गुर्जर के इलेक्शन एजेंट संजय मिश्रा एडवोकेट ने आरोप लगाया है कि बीजेपी के दबाव में प्रशासन द्वारा बीएलओ के माध्यम से पर्चियां का वितरण नहीं किया जा रहा है तथा तमाम इलाकों में पचरियां वितरित नहीं की गई है। कई गांव से भी शिकायत आई है। उन्होंने बताया कि प्रशासन चुनाव को प्रभावित करना चाहता है, जबकि जनता सरकार बदलने का मन बना चुकी है, वहीं मतदान कम हो, इसलिए पर्ची का वितरण नहीं किया जा रहा है।

रुपए बांटने वाला वीडियो आचार संहिता से पूर्व का है, जांच कराकर करूंगा मानहानि का दावा : सिंह

मुरैना, देशबन्धु। बहुजन समाज पार्टी से मुरैना विधानसभा प्रत्याशी राकेश रुस्तम सिंह ने रुपए बांटने वाले कथित वीडियो पर अपनी सफाई देते हुए कहा है कि यह वीडियो आचार संहिता लगने से पूर्व का है और उसे छेड़छाड़ कर आवाज को दबा दिया गया है। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी द्वारा दबाव में आकर मामला दर्ज किया गया है। मैं इस वीडियो की जांच कराने के बाद मेरी छवि धूमल करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध मानहानि का दावा करूंगा। राकेश सिंह ने अपनी ओर से जारी बयान में कहा है कि पिछले दिनों कुछ लोगों द्वारा एक आवाज रहित वीडियो वायरल किया है, जिसमें मुझे पैसों का लेनदेन करते हुए दिखाया गया है। सच तो ये है कि यह वीडियो 13 अगस्त 2023 का है, उस दिन बिचौली गांव के लोगों ने दाल-टिक्कर का कार्यक्रम रखा था, जिसमें मुझे भी बुलाया गया था। इस कार्यक्रम में मैने स्वयं चूल्हे पर टिक्कर सेंके थे व अच्छी दाल बनाने वाले को ईनाम भी दिया था। जिन लोगों ने वीडियो वायरल किया, उन्होंने इसकी आवाज को बंद कर दिया, जिससे कि घटनाक्रम समझ में न आ सके और बाद में मैने इसी वीडियो को जो कि आवाज के साथ है, उसे थाना प्रभारी कोतवाली को भेजा, जिसे देख और सुन कर घटनाक्रम स्पष्ट होता था और सत्य से अवगत कराने की कोशिश की, किंतु सबकुछ जानते समझते हुए थाना प्रभारी कोतवाली ने दूसरे पक्ष के दवाब में मेरे खिलाफ एफआईआर कर दी।

आज प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में होगा कैद

आष्टा, देशबन्धु। कई दिनों से विधानसभा चुनाव का शोर शराबा चल रहा था। जो मतदान शुरू होने के समय से 48 घंटे पहले थम चुका है। डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभी जारी है। भाजपा और कांग्रेस दोनों के बीच मुख्य मुकाबला होगा। हालांकि निर्दलीय और अन्य पार्टी से 7 लोग मैदान में है। हमेशा की तरह मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस मे होगा। बताया जाता है कि प्रजातांत्रिक समाधान पार्टी से कांग्रेस मे आए कमल सिंह चौहान जो कि पिछले कई चुनाव में कही न कहीं कांग्रेस की

हार का कारण बनते आ रहे थे। इस बार कमल सिह चौहान कांग्रेस से मैदान में है और जो पिछले कांग्रेस से 3 विधानसभा से टिकट लेकर चुनाव लड़े और हार का मुंह देखा वही गोपाल सिंह इस बार भाजपा से टिकट लेकर मैदान में हैं। पहले कमल पंजे का हार कारण बनता था। अब कही कमल पंजे से चुनाव लड़कर फूल की हार का कारण न बन जाए। फिलहाल ऐसा कुछ होता नजर नही आ रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि लगातार भाजपा की शिवराज सरकार 18 साल से है। और वर्तमान मे लाड़ली बहना, की प्रशंसा देख ऐसा लगता है कि गोपाल सिंह भी भाजपा की जीत को बरकरार रखेंगे। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस मे जिस तरह से कही ज्यादा तो कही कम टक्कर चल रही है। फिलहाल कौन जीतेगा कौन हारेगा यह कहना बहुत मुश्किल है। प्रत्याशीयो को भाग्य का फैसला आज 17 नवंबर दिन शुक्रवार को ईव्हीएम मशीन मे कैद हो जाएगा। 3 दिसंबर को ही साफ होगा कि 17 नवंबर दिन शुक्रवार किसके लिए शुभ रहा और किसके लिए अशुभ।

क्षेत्र के मतदाता, पार्टी से अधिक, सही उम्मीदवार के चयन पर करते हैं भरोसा

गंजबासौदा विधानसभा सीट पर कभी किसी एक दल का नहीं रहा कब्जा

गंजबासौदा,देशबन्धु। गंजबासौदा विधानसभा क्षेत्र की तासीर ही कुछ ऐसी है कि, इस क्षेत्र की जनता, पार्टी से अधिक विधानसभा चुनाव में सही उम्मीदवार के चयन पर भरोसा जताती है। यही कारण है कि इस विधानसभा सीट पर किसी एक दल का कब्जा नहीं रहा है। यहां पहले जनसंघ, कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस जीतती रही है।

विदिशा जिले का गंजबासौदा विधानसभा क्षेत्र भाजपा, कांग्रेस के लिए शक्ति परीक्षण केन्द्र बन गया है। इस क्षेत्र में अन्य राजनैतिक दलों का कोई खास वर्चस्व न होने के कारण सन 1962 से सन 2018 तक संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के बीच ही मुकाबला रहा है। कभी कांग्रेस, कभी भाजपा के प्रत्याशी को विजयश्री हांसिल हुई।

गंजबासौदा विधानसभा क्षेत्र के इतिहास पर नजर डाली जाए तो सन 1962 में कांग्रेस के ठा.रामसिंह मसूदपुर वालों ने हिन्दू महासभा के निरंजन वर्मा को 1865 मतों से अंतर से हराकर जीत दर्ज कराई थी। सन 1967 में संपन्न हुए चुनाव में जनसंघ के हीरालाल पिप्पल ने कांग्रेस के सुन्नूलाल को 21939 मतों से पराजित किया। सन 1972 में जनसंघ के सीताराम दांडी ने कांग्रेस के सुन्नूलाल को 8509 मतो से पराजित किया। सन 1977 में जमनाप्रसाद चौरसिया भाजपा ने कांग्रेस के जवाहरमल जालौरी को 10344 मतों से हराकर जीत दर्ज कराई। सन 1980 में फूलचंद वर्मा भाजपा ने कांग्रेस के ठा.रामसिंह को 8486 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज कराई। सन 1985 में वीरसिंह रघुवंशी कांग्रेस ने भाजपा

के अजयसिंह रघुवंशी को 6934 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज कराई। सन 1990 अजयसिंह रघुवंशी भाजपा ने कांग्रेस के रामनारायण तेनगुरिया को 20864 मतों के अंदर से पराजित कर जीत दर्ज कराई और पटवा सरकार में संसदीय सचिव बनकर क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी। सन 1993 में हुए चुनाव में डॉ. रामनारायण तेनगुरिया कांग्रेस ने भाजपा के अजयसिंह रघुवंशी को 2751 मतों के अंतर से पराजित किया। सन 1998 में कांग्रेस के वीरसिंह रघुवंशी ने भाजपा के देवेन्द्र वर्मा को 7533 मतों से हराकर जीत दर्ज कराई और दिग्विजयसिंह मंत्री मंडल में केविनेट मंत्री बने। सन 2003 में संपन्न हुए चुनाव में भाजपा के हरिसिंह रघुवंशी ने वीरसिंह रघुवंशी कांग्रेस को करारी शिकस्त देते हुए 23802 मतों से हराकर जीत दर्ज कराई। सन 2008 में पुनः भाजपा के हरिसिंह रघुवंशी ने कांग्रेस के कंछेदीलाल जैन को 17717 मतों के अंतर से पराजित कर विधानसभा सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। सन 2013 में संपन्न हुए चुनाव में कांग्रेस के निशंक जैन ने भाजपा के हरिसिंह रघुवंशी को 16159 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज कराई। सन 2018 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की श्रीमती लीना संजय जैन टप्पू ने कांग्रेस के निशंक जैन को 10226 मतों के अंतर से हराकर जीत दर्ज कराई।

वर्तमान विधानसभा चुनाव में फिर वर्ष 2013 के चुनाव की जोड़ी चुनाव मैदान में है। बहुजन समाज पार्टी ने रूखसाद वी, वास्तविक भारत पार्टी से अशोक कुशवाह, जन अधिकार पार्टी से मोकमसिंह कुशवाह, निर्वेश मैना, चुन्नीलाल कुशवाह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में है। कांग्रेस ने जहां पिछले चुनाव में पराजित प्रत्याशी निशंक जैन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा ने एक बार फिर 2013 में कांग्रेस से पराजित प्रत्याशी हरीसिंह रघुवंशी को चुनाव मैदान में उतारा है। अन्य राजनैतिक दलों का क्षेत्र में कोई वर्चस्व न होने के कारण दोनो ही दलों के प्रत्याशियों के बीच कड़ा एवं संघर्षशील मुकाबला होता नजर आ रहा है। कांग्रेस एवं भाजपा के प्रत्याशी पूरे जोश और उत्साह के साथ चुनाव प्रचार में सक्रियता दिखा रहे हैं। वहीं दोनों ही दलों के प्रत्याशियो के समर्थन में उनके समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सघन जनसंपर्क कर अपने अपने प्रत्याशी को विजयश्री दिलाने के लिए मतदाताओं से अनुरोध किया जा रहा है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

चुनाव ड्यूटी के दौरान कन्या शाला में तैनात कर्मचारी की हुई मौत

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मुलताई चुनाव ड्यूटी में आए एक कर्मचारी की मौत होने की सूचना मिल रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार मुलताई नगर के कन्या शाला बूथ क्रमांक 123 पर पी 3 के पद पर तैनात शाहपुर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में चौकीदार के पद पर पदस्थ भीमराव पुत्र भोजु उम्र 55 वर्ष के सीने में दर्द होने पर वे स्ट्रांग रूम के पास मतदान दलों के लिए सामग्री वितरण करने हेतु बनाए गए स्थल पर पहुंचे जहा से उनकी जगह दूसरे कर्मचारी को नियुक्त कर दिया गया था, जहा से भीमराव को सरकारी अस्पताल लाया गया जहा उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। चुनाव ड्यूटी के दौरान ही उन्हें सीने में दर्द उठा था, लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका। अचानक से कर्मचारी की मौत की खबर लगते ही सेक्टर अधिकारी अस्पताल पहुंचे और उनके परिजनों को सूचना भेजी।

प्रलोभन से बचें लोकतंत्र को बचाएं

बैतूल, देशबन्धु। इस बार विधानसभा का चुनाव रोचक हुआ है और परिणाम भी चौंकाने वाले होंगे। यह बात बैतूल विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी अलस्या सोलंकी ने कही है। अलस्या बैतूल विधानसभा के मतदाताओं से बेहद मार्मिक तरीके से अपील करते हुए कहा है । मेरे नाम करने वाला आपका एक वोट बैतूल की सूरत और सीरत बदल देगा । मैं वचन देता हूं कि आशीर्वाद और समर्थन के रूप में मिलने वाला आपका एक वोट वो कमाल करेगा जिसका आप कल्पना नहीं कर सकते । उन्होंने लिखा कि मेरे लिए बैतूल विधानसभा क्षेत्र के हर एक व्यक्ति की अपनी अहमियत होगी । हर एक व्यक्ति की जिनाइन आवाज विधानसभा पटल तक पहुंचेगी। प्रदेश में शिवराज मामा के समान बैतूल मैं अलस्या मामा के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले श्री सोलंकी ने प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों एवं उनके जन् प्रतिनिधियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज बैतूल में शिक्षा स्वास्थ्य पेयजल सड़क बिजली की समुचित व्यवस्था नही है। उन्होंने कहा कि इस बार वहीं मतदाता जागरूक हो चुके हैं और वे विकल्प के रूप में निर्दलीय प्रत्याशी आपका अपना अलस्या मामा को अपना बहुमूल्य वोट देने का मन बना लिए हैं । मैं ऐसे जागरूक मतदाताओं से आग्रह करता हूं कि अपना एक वोट लोकतंत्र के नाम यानी ऐसे व्यक्ति को देंगे जो आधी रात को भी सेवा के लिए तत्पर रहने वाले हैं। आप सभी को वचन देता हूं कि मैं आपकी अपेक्षाओं पर सौ टका खरा साबित होकर दिखाऊंगा ।

अवैध शराब बरामद, 15 घण्टे बाद भी मामला दर्ज नहीं : समीर

बैतूल, देशबन्धु। मतदान के 2 दिन पहले कोतवाली पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा एक मकान से बरामद किया है, 2 तस्करों को भी हिरासत में लिया है। घटना के 15 घंटे से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी उनके खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया जा सका है। प्रदेश कांग्रेस सचिव समीर खान ने पुलिस से नियमानुसार इस संबंध में कार्यवाही किए जाने की मांग की है। साथ ही समीर ने इन सवालों का भी खुलासा किए जाने की मांग की है कि, शराब कौन बांट रहा था , किस पार्टी द्वारा बंटवाई जा रही थी? जानकारी के मुताबिक चुनाव के मद्देनजर कोतवाली पुलिस बुधवार रात सर्चिंग पर लगी हुई थी। तभी सूचना मिली कि टिकारी क्षेत्र में एक मकान में शराब की पेटियां रखी हुई हैं। मौके पर पहुंचकर जब पुलिस ने मकान की तलाशी ली तो मकान के भीतर 21 पेटी अवैध शराब मिली, जिसे पुलिस वाहन में भरकर कोतवाली ले आई। बताया जा रहा है कि, पुलिस ने 2 आरोपियों को भी हिरासत में लिया है। पूरे मामले को लेकर जब कोतवाली थाना प्रभारी आशीष सिंह पवार से जानकारी मांगी गई तो उनका कहना था कि, प्रकरण के संबंध में प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी जाएगी। लेकिन पहली प्राथमिकता के मुताबिक पुलिस बल पोलिंग बूथों पर रवाना किया जाना है। इसके बाद जानकारी दी जाएगी। ।

मतदान की पूर्व संध्या पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

लगभग 5 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की निगाहें चप्पे-चप्पे पर

बैतूल,देशबन्धु। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमनबीर सिंह बैंस ने मतदान दिवस की पूर्व संध्या पर पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ चौधरी के साथ बैतूल जिले के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मतदाताओं के लिए दिशा निर्देशों के अनुरूप की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने 1581 मतदान केंद्र पर मतगणना दलों की उपस्थिति की समीक्षा की। शुक्रवार को बैतूल जिले की पांच विधानसभा सीटों मुलताई, बैतूल, भैंसदेही, आमला और घोड़ाडोंगरी विधानसभा सीटों के लिए 1581 मतदान केन्द्रों पर 49 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला जिले के 123483 मतदाता करेंगे। इसमें 200424 मतदाता सर्विस वोटर के रूप में अलग से शामिल होंगे। अधिक से अधिक मतदान के लिए आमजन को आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा में एक-एक, पांच युवा मतदाता पोलिंग बूथ का निर्माण किया गया है। 103 पिंक बूथ एवं 80 प्लस एवं दिव्यांग बूथ भी हर एक विधानसभा क्षेत्र में बनाए गए हैं। पिंक बूथ में सिर्फ महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ महिला सुरक्षा अधिकारियों की तैनाती की गई है।

लगभग 5 हजार 500 पुलिसकर्मी कराएंगे शांतिपूर्ण मतदान–जिले के पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित मतदान के लिए जिले में 560 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को आदर्श आचार संहिता के अनुक्रम में संपन्न करने के उद्देश्य से विधान सभा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर पुलिस द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए जिला पुलिस बल से 772, होमगार्ड से 194, कर्नाटक सुरक्षा से 1400, विशेष पुलिस बल 1793 एवं 191 नव आरक्षकों को निर्वाचन सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया गया है।

मतदान सामग्री लेकर हुए रवाना

296 मतदान दल के 1198 कर्मचारी संपन्न कराएंगे चुनाव

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए आज मतदान संपन्न कराने के लिए गुरुवार मतदान दलों को मतदान सामग्री देकर मतदान केंद्र की ओर रवाना किया गया। गुरुवार सुबह 7 बजे से नगर के हाई स्कूल मैदान से इन मतदान पार्टियों को रवाना करवाया गया। मुलताई विधानसभा क्षेत्र में 296 मतदान केंद्रों पर मतदान संपन्न होंगे, जिसके लिए 296 मतदान दलों में कुल 1198 कर्मचारी की नियुक्ति की गई है इसमें सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी , कोटवार और अन्य कर्मचारी की संख्या अलग है। कुल 62 रूट के लिए 62 बसों को तैयार किया गया था, जिसके माध्यम से सभी को मतदान केंद्रों तक पहुंचाया गया। रिटर्निंग आफिसर तृप्ति पटैरया ने बताया की 6 बसों को रिजर्व में रखा गया है। जबकि कुल 28 सेक्टर बनाया गया है, जो पूरे 296 पोलिंग बूथों पर कड़ी नजर बनाए रखेंगे। मतदान संपन्न होने के बाद इन्ही वाहनों के माध्यम से मतदान पार्टियों को सीधे जिले के स्ट्रांग रूम पहुंचा जाएगा। बताया जा रहा है कि कुछ पार्टी को रिजर्व में भी रखा गया है। जिनका इस्तेमाल आवश्यकता पड़ने पर किया जाएगा। सभी मतदान दलों द्वारा मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद अपने-अपने सेक्टर मजिस्ट्रेट और आरओ को रिपोर्टिंग की सभी दल दोपहर करीब 12.45 तक अपने अपने स्थान पर पहुंच गए।

घोरपेंड और पचउमरी के ग्रामीणों ने कहा पुलिया नहीं तो वोट नहीं

मुलताई, देशबन्धु। प्रभात पट्टन विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सालबर्डी के ग्राम घोरपेंड और पचउमरी के ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान के एक दिन पूर्व गुरुवार को माडू नदी पर पहुंचकर चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की और हाथ में बैनर लेकर नारे लगाए पुलिया नहीं तो वोट नहीं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करो नहीं तो वोट नहीं।

सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों ने माडू नदी पर जहां लोगो द्वारा पुलिया बनाए जाने की मांग की जा रही है वहां पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया गया और चुनाव बहिष्कार की घोषणा की है। सालबर्डी निवासी ईश्वरदास नांदगांवकर ने बताया कि घोरपेंड और पचउमरी के ग्रामीण विगत कई वर्षों से माडू नदी पर पुलिया बनाए जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस और किसी ने भी ध्यान नहीं दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के समय उन्हें जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है, पुलिया नहीं होने के कारण परेशानी के सामना करना उड़ता है। उन्होंने बताया की यहां साफ पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है और रोड भी नहीं है। जिसके चलते ग्रामीणों द्वारा कहा जा रहा है की पुलिया नहीं तो वोट नहीं शुद्ध पानी नहीं तो वोट नहीं।

इनका कहना है

ग्राम कोटवार द्वारा सुबह ही सूचना मिली थी, ग्रामीणों की क्या मांग है इस संबध में बात करने मौके पर पट्टन जनपद सीईओ को भेजा गया है। पूर्व में ग्रामीणों द्वारा ऐसी कोई मांग उनके समक्ष नही रखी गई थी।

तृप्ति पटैरया
रिटर्निंग आफिसर मुलताई

वरिष्ठ भाजपाइयों को किसने घर बैठाया : राठौर

बैतूल, देशबन्धु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और क्षत्रिय राठौर समाज के जिला अध्यक्ष सुभाष राठौर ने सवालों के जरिए भाजपा प्रत्याशी पर नाम लिए बिना निशाना साधा। राठौर ने सवाल उठाया कि आखिर वरिष्ठ भाजपाइयों को घर किसने बैठाया और साफ सुथरी छवि के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक शिव प्रसाद राठौर को आगे क्यों नहीं बढ़ने दिया गया, वो कौन सा भाजपा नेता है, जिसने श्री राठौर का राजनीतिक भविष्य खत्म कर उन्हें राजनीति में गुमनामी का जीवन जीने पर मजबूर कर दिया। भाजपा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले राजा ठाकुर को जिला पंचायत का अध्यक्ष क्यों नहीं बनने दिया गया। भाजपा के चाणक्य वरिष्ठ भाजपा नेता सदन आर्य आज कहां हैं । उन्होंने पुराने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ता की उपेक्षा और उनके खिलाफ साजिश का आरोप भाजपा के गुट विशेष पर लगाया है। जिसे उन्होंने भाजपा प्राइवेट लिमिटेड नाम से सम्बोधित करते हुए कहा कि करीब 30 साल से पूरी भाजपा पर एक ही परिवार के कब्जे में है। किसी भी व्यक्ति को आगे नहीं आने दिया गया। जिसने भी आगे आने की कोशिश की उसे दूध में मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया गया। क्यों बड़े और पुराने नेताओं को घर बैठा दिया। श्री राठौर ने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के बाद भी शिवप्रसाद राठौर और अलकेश आर्य सरीखे जननेताओं की टिकट कटवाई लेकिन ऐतिहासिक हार के बाद आज खुद ने फिर टिकट ले ली।

आचार संहिता उल्लंघन का मामला हुआ दर्ज

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए सभी उम्मीदवार और सभी दलो द्वारा जमकर प्रचार प्रसार किया गया, लेकिन ग्राम सावंगी में एफएसटी की टीम को एक व्यक्ति लाडली बहना योजना के संकल्प पत्र बाटते हुए मिला, जिसके पास से उक्त पर्चे और अन्य सामग्री जप्त की थी। जिसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्होंने मुलताई पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। इस पूरे मामले में पहले उन्होंने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया और उनसे प्राप्त मार्गदर्शन और दिशा निर्देश अनुसार उस व्यक्ति के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज कराया गया। इस संबंध में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर मुलताई अनामिका सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि ग्राम सावंगी में लाडली बहना योजना के पर्चे बांटने की सूचना मिली थी, जिस पर एफएसटी की टीम को मौके पर भेजा गया था , जहा एक व्यक्ति लाडली बहना योजना के पर्चे बांट रहा था, जिसके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

संकल्प पत्र बांट कर जुटा रहा था जानकारी– इस पूरे मामले में मुलताई एसडीओपी सुरेश पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एफएसटी प्रभारी हेमराज चौहान की रिपोर्ट पर सावंगी निवासी नंदकिशोर पुत्र गब्बू जी नरवरे के खिलाफ धारा 171 ई और 188 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। जिसमें उनके द्वारा बताया गया था कि ग्राम सावंगी में जांच के दौरान नंदकिशोर लाडली बहन योजना के संकल्प पत्र बांटकर व्यक्तिगत जानकारी जुटा रहा है, जिससे चुनावी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होना पाया गया। उनका कहना था कि इस संबंध में अभी विवेचना चल रही है, संकल्प पत्र प्रकाशित करवाने वाले सहित अन्य व्यक्तियो पर भी मामला दर्ज हो सकता है।

लोग भूले नहीं उन अतिक्रमणों के निशान जो दीवाल पर नहीं दिल पर लगे थे : राजपूत

बैतूल, देशबन्धु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कार्यवाहक ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत राजपूत का कहना है कि लोग अभी भूले नही है जब उनके घरों की दीवाल पर अतिक्रमण के निशान लगाए गए थे। लोग कहते हैं वो निशान दीवाल पर नहीं उनके दिल पर लगे थे। सब जानते है कि भाजपा नेता ने अपने घर, स्कूल और कोचिंग सेंटर के सामने चौड़ी सड़क बनाने के लिए सड़क किनारे वाले घरों दुकानों को तुड़वाने के लिए अतिक्रमण के निशान लगवा दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले तो भाजपा के भैया समस्या खड़ी करते हैं, फिर उनके पास लोगों के आने के बाद उसे सुलझा देने का नाटक करते हैं। जिससे लोगों की नजरों में वे अच्छे बन जाएं। श्री राजपूत ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी हेमंत खंडेलवाल जब 2013 में विधायक बने थे तो उनके क्रियाकलाप से लोग परेशान होने लगे थे। उन्होंने सत्ता का पूरा फायदा उठाते हुए लोगों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फॉरेस्ट बैरियर से हमलापुर चौक तक सड़क को चौड़ा करने के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का उपयोग करके इस सड़क के किनारे बने मकान और दुकानों का आगे का हिस्सा अतिक्रमण बताकर उसे तोड़ने के लिए चिन्हित किया गया था।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने अवश्य करें मतदान : कलेक्टर

रायसेन,देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने रायसेन जिले के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के महापर्व मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 में अपनी सहभागिता निभाते हुए मतदान करने का आव्हान किया है। कलेक्टर श्री दुबे ने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व होता है। दिनांक 17 नवम्बर को अपने मतदान केन्द्र पर पहुँचकर शत-प्रतिशत मतदान कर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। मतदान केन्द्रों पर सहज, सुगम और समावेशी मतदान के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रदेश में पहली बार मतदान में मुख्य रूप से दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं के लिये विशेष सुविधायें प्रदान की गई हैं।

हर फूल से स्वागत कर किया मतदान दल को वाहनों से केंद्रों पर रवाना

▶ आज ईवीएम मशीन में बंद हो जाएगा प्रत्याशियों का भाग्य

गंजबासौदा, देशबन्धु। संपन्न होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय केंद्र से रिटर्निंग आफिसर सहित अन्य निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों की उपस्थिति में मतदान दलों का हार-फूल से स्वागत कर उन्हें केद्रो पर रवाना किया गया।

शुक्रवार कोकणी सुरक्षा के बीच 334 गांव के 261 मतदान केदो पर होने वाले मतदान से प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम मशीन में बंद हो जाएगा। संपन्न होने जा रहा है चुनाव में 35 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 1044 मतदान कर्मचारी चुनाव संपन्न कराएंगे ।

संवेदनशील केदो पर केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात रहेंगे। इस बार चुनाव में 2 लाख11 हजार 2686 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। रिटर्निंग आफिसर विजय राय के अनुसार इस बार 261 मतदान केंद्रों में से 156 मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जो वेब कास्टिंग से लैस होंगे आरओ उन केंद्रों पर सीधे लॉगिन आईडी के माध्यम से नजर रख सकेंगे ।साथ ही 30 सेक्टर मजिस्ट्रेट को भी इस बार ईवीएम मशीन के साथ एक पोलिंग बूथ पर रहने की जिम्मेदारी सौंप गई है। मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी न हो इसके लिए लगातार क्षेत्र में मोबाइल टीम गस्त करती रहेगी।

भाजपा प्रत्याशी बताएं महुपानी प्रोजेक्ट में कितनों को रोजगार मिला : राठौर

बैतूल, देशबन्धु। युवा कांग्रेस के पूर्व लोकसभा अध्यक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लवलेश बब्बा राठौर ने मीडिया के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी हेमंत खंडेलवाल से सवाल किया है कि उनके भारती एग्रो कलस्टर प्रोजेक्ट यानी मेगा फूड पार्क जिसे लगाने के लिए सरकार ने अनुदान दिया है, तो क्या इसके जरिये 5 हजार लोगों को रोजगार और 25 हजार किसान लाभान्वित हुए या ये प्रोजेक्ट सिर्फ कमाने का जरिया है । राठौर ने इस संबंध में भाजपा प्रत्याशी खंडेलवाल से जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी खंडेलवाल से यहां हुई दावतों का भी हिसाब मांग लिया। उन्होंने कहा कि महू पानी प्रोजेक्ट को लेकर बातें होती है कि यहां तो सिर्फ दावत होती हैं वे अपने मित्रों को यहां ले जाकर खाना ही खिलाते हैं। हेमंत खंडेलवाल ये भी बताएं कि महूपानी प्रोजेक्ट में कितने आदिवासियों को खाना खिलाया गया, कभी गरीबों को भी पार्टी दी, कभी बेरोजगारों को भी दावत दी या सिर्फ उन लोगों की दावत हुई जो प्राइवेट लिमिटेड पार्टी से जुड़े हुए हैं ।

युकां नेता ने कहा कि इसे खोलने के लिए केंद्र सरकार से करोड़ों का अनुदान लिया है । श्री राठौर ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के विकास के लिए मेगा फूड पार्क को आर्थिक सहायता देकर इसलिये खुलवाया गया कि ये दावा किया जा सके कि, यहां बेरोजगारों को रोजगार मिल सके, किसानों की आय दोगुनी हो सके । पर लगता है कि ये प्रोजेक्ट क्षेत्र के विकास की जगह खुद के विकास कर लिए खोला गया है ।

मतदान दल मतदान केंद्रों पर रवाना

सिरोंज, देशबन्धु। सिरोंज के पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतदान दलों को ई वी एम मशीनें व अन्य सामग्री वितरित कर मतदान केंद्रों की ओर रवाना किया गया । एक मतदान केंद्र पर एक पीठासीन अधिकारी व तीन सहायक कुल चार मतदान कर्मी लगाए गए है। अगर किसी पोलिंग बूथ पर एक हजार से ज्यादा वोट है तो एक पीठासीन के साथ चार सहायक कर्मचारी दिए गए है। बसें व अन्य वाहनो का अधिग्रहण कर उन्हें पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में खड़ा कर लिया था । विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर हर्षल चौधरी का कहना है कि शांतिपूर्ण मतदान की पूरी तैयारी कर ली गई है।

परेशान दिखी ड्यूटी में लगी छोटे बच्चों वाली माताएं- मतदान दलों में कई ऐसी महिलाएं है जिनके बच्चे छोटे है। राखी शर्मा, पूजा जाटव आदि महिलाएं अपने दुधमुंहे बच्चे साथ लेकर आई है। उनके पतियों को भी ड्यूटी चुनावों में लग गई है घर मे ओर कोई बच्चों को संभालने वाला गए नहीं। राखी ने कहा कि उनके पति पुलिस में है और ड्यूटी पर गए है , वे अपने दो बच्चों के साथ मतदान केंद्र पर चुनाव ड्यूटी के लिय आई है। पूजा जाटव ने कहा कि 16 ओर 17 पूरे 2 दिन छोटा बच्चा बिना मां के नहीं रह सकता इसलिय कोई दूसरा ऑपशन ही नही है , बच्चे को साथ लेकर ही ड्यूटी करना पड़ेगी। सवाल यह है कि ये महिलाएं मतदान के दौरान कैसे बच्चे संभालेगी ओर कैसे अपना काम करेंगी। आपाधापी में इनसे कही कोई गड़बड़ी न ही जाये। रिटर्निंग ऑफिसर हर्षल चौधरी ने बताया कि क्षेत्र मेंकुल मतदाता-221737 मतदाता जिनमें स्त्री-104920,पुरूष-116806व थर्ड जेंडर-11कुल पोलिंग बूथ-254क्रिटिकल बूथ-72पिंक बूथ हैं। अनु. अधिकारी पुलिस उमेश तिवारी ने बताया कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान की पूर्ण व्यवस्था कर ली गई है। अतिरिक्त सशस्त्र बल भी प्राप्त हुआ है। अन्य प्रदेशों से भी पुलिस बल आया हुआ है।कहीं भी किसी भी प्रकार की गड़बड़ पर तुरंत कार्रवाई की जावेगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि निर्भीक होकर मतदान करें और यदि कहीं कोई गड़बड़ी देखी या पाई जावे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी दुबे ने मतदान सामग्री वितरण कार्य का लिया जायजा

मतदान दल निर्वाचन सामग्री के साथ बसों से मतदान केंद्रों के लिए हुए रवाना

रायसेन, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 कार्यक्रम अनुसार जिले की चारों विधानसभाओं में 17 नवंबर को प्रात: 07 बजे से शाम 06 बजे तक मतदान होना है। मतदान संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार चारों विधानसभाओं में निर्धारित स्थलों पर 16 नवम्बर को मतदान दलों को सामग्री प्रदान कर बसों के माध्यम से मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। मतदान केन्द्रों पर पहुंचने पर मतदान दलों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया।

सांची विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों को स्वामी विवेकानन्द शासकीय महाविद्यालय रायसेन में निर्वाचन सामग्री प्रदान कर बसों के माध्यम से मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने स्वामी विवेकानन्द शासकीय महाविद्यालय रायसेन पहुंचकर मतदान सामग्री वितरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान दलों से संवाद कर उन्हें निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। साथ ही शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल, सांची विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया भी उपस्थित रहीं।

सार समाचार

माखननगर में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा में चुनावी शोर थम गया है दोनों तरफ से मैनेजमेंट किया जा रहा है अपने-अपने क्षेत्र की निगरानी की जा रही है ऐसे में गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार सोहागपुर के समीप ग्राम लांघा बम्होरी में अविनाश ढाबा पर बाहरी वाहनों और बाहरी लोगों का जमघट लगा हुआ था। जिसको देखकर माखननगर की तरफ निकल रहे पुष्पराज पटेल ने उनका विरोध किया और थाना प्रभारी को सूचना दी , पुष्पराज ने बताया ऊसके बाद उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा क्षेत्र में हार के डर से माहौल बिगाड़ना चाहती है। उधर भाजपा प्रत्याशी विजयपाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की के माखन नगर कार्यालय में प्रत्याशी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की है सोहागपुर और माखन नगर थाने में आवेदन देकर कार्यवाई की मांग की है कि कांग्रेस द्वारा उनके कार्यकर्ताओ को डराया धमकाया जा रहा है। घटना के बाद माखननगर में पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर पहुचे जिसके बाद दोनो तरफ से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों सोशल मीडिया पर एक दूसरे से संबंधित वीडियो फोटो डाल रहे हैं माहौल गर्म है जनता भी सब देख रही है आज मतदान है देखते हैं किसके पक्ष में जनता फैसला करती है।

नीलकण्ठेश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। वार्ड नंबर 03 में पंडित दीनदयाल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के सभी रहवासियों के संयोग से नीलकण्ठेश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी ने सहयोग किया। सभी महिलाओं ने भोजन व प्रसाद बनाकर दिया। समिति के सदस्यों ने मोहल्ले के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए आगे भी सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। आयोजन समिति में किशन यादव, प्रवीण शुक्ला, सुनील सोनी, अतुल शुक्ला, राजू बैस, कमल हसले, पप्पू मनवारे, सतीश सोनी, हेमंत सोनी, दीपक मोरिया, कमलेश टिकरिया, सुमित टिकरिया, बंटी गौर आदि शामिल रहे।

लोकतंत्र का महापर्व आज, जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा होगा चुनाव

अक्षय नेमा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आज लोकतंत्र का महापर्व है। प्रदेश के साथ साथ जिले के 9 लाख 40 हजार 069 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर इस महापर्व में अपनी सकारात्मक भूमिकाएं निभाएंगे और जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन को स्थापित करेंगे। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सत्ताधारी होती है, उसकी अनुमति से ही शासन होता है, जनता की प्रगति ही शासन का एकमात्र लक्ष्य माना जाता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो देश राज नेताओं के हाथ में नहीं बल्कि जनता के हाथ में है। इसलिए जनता को अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजने का संवैधानिक अधिकार मिला हुआ है। लेकिन जनता अपने अधिकार से कई बार भागने का प्रयास करती है, और चुनाव के समय मतदान करने से गुरेज करती है। लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि चुनाव में प्रत्येक मतदाता भाग ले और अपने मत का प्रयोग करे। क्योंकि आपका एक मत, आपके द्वारा चुनी हुई सरकार द्वारा समूचे प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। आपका एक मत समूचे प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य पर भी प्रभाव डालता है। आपका वोट केवल आपका अधिकार ही नहीं बल्कि क?र्तव्य भी है। हम अधिकारों के प्रति तो सजग रहते है, लेकिन क?र्तव्यों के प्रति नहीं। इसलिए जरूरी है क?र्तव्य को निभाते हुए मतदान प्रक्रिया में भाग लें। वोट नागरिक का सबसे बड़ा कर्तव्य है और हथियार भी है। इसलिए विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवंबर शुक्रवार को अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। जिले की चारों विधानसभा में कुल 9 लाख 40 हजार 069 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 486657, महिला मतदाताओं की संख्या 453377 एवं 35 अन्य मतदाता है। 18 से 19 वर्ष आयु के नवीन मतदाताओं की संख्या 43603 हैं, जिनमें 23797 पुरुष एवं 19806 महिला शामिल हैं। जिले में 80 प्लस आयु के मतदाताओं की संख्या 10905 है जिनमें 4440 पुरुष एवं 6465 महिलाएं शामिल है। जिले में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 8988 है जिनमें 5733 पुरुष एवं 3255 महिला शामिल हैं। वहीं सर्विस वोटर की संख्या 1894 हैं। जिले के इन सभी मतदाताओं से यह आग्रह है, कि वे निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से लोकतंत्र को सुदृढ एवं मजबूत बनाने के लिए निर्भय होकर, बिना किसी प्रलोभन के मतदान केन्द्र पर जाकर अपने नैतिक मताधिकार का उपयोग करें और लोकतंत्र के इस उत्सव में सहभागी बने।

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक चलेगी मतदान प्रक्रिया

मतदान 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह 5ः30 बजे से मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट 5ः30 बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा। कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी की टेबल या मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा।

मतदान के लिए रहेगा सार्वजनिक अवकाश का दिन

निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार विधानसभा चुनाव-2023 के तहत 17 नवम्बर को मतदान किया जाएगा। मतदान दिवस पर अधिक से अधिक मतदान के लिए राज्य शासन द्वारा 17 नवम्बर 2023 दिन शुक्रवार को मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश का दिन होगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानानुसार समस्त विधानसभाओं के क्षेत्रों में आने वाले सभी कारोबार, व्यवसाय औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, चाहे वह दैनिक मजदूर या आकस्मिक श्रमिक श्रेणी का ही हो, जो आगामी विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में मतदान करने का हकदार है, को मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश मंजूर किया जाना आवश्यक है। कामगार किसी ऐसे उद्योग या स्थापना में नियोजित है जो उस विधानसभा क्षेत्र से बाहर है जहाँ आम निर्वाचन हो रहे हैं, उन्हें मतदन के लिए सवैतनिक अवकाश की पात्रता होगी। 17 नवम्बर को मतदान दिवस के दिन जिले के समस्त कारखानों के अधिभोगीगणों प्रबंधकों तथा दुकानों, व्यवसायियों, कारोबारियों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के नियोजक तथा प्रबंधकों को श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश प्रदाय करने के निर्देश दिए गये है।

जिले की चारो विधानसभा में 5224 कर्मचारी कराएंगे मतदान

विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत प्रदेश के साथ ही जिले में भी 17 नवंबर को मतदान होगा। जिले में मतदान के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने जानकारी दी कि जिले की चारो विधानसभा में मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1187 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। सिवनीमालवा विधानसभा अंतर्गत 318 , होशंगाबाद विधानसभा में 238, सोहागपुर विधानसभा में 314 एवं पिपरिया विधानसभा में 317 मतदान केंद्र शामिल हैं ।जिले में 100 आदर्श केंद्र बनाएं गए हैं। मतदान कराने वाले कर्मचारी 5224 हैं। चारो विधानसभा में मतदान दलो को लाने एवं ले-जाने के लिए 547 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

क्रिटिकल मतदान केन्द्र

जिले की चारो विधानसभा के 1187 मतदान केन्द्रों में 335 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं। सिवनीमालवा में 96, होशंगाबाद में 69, सोहागपुर में 81 तथा पिपरिया 89 क्रिटिकल मतदान केन्द्र है। इन मतदान केन्द्रों के साथ ही 750 केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

एफएसटी-एसएसटी दलों द्वारा की जा रही सघन जांच एवं निगरानी

पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने बताया कि जिले में जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सघन जांच एवं निगरानी के लिए जिले की सीमाओं जांच नाके बनाए गए हैं, 15 एफएसटी, 16 एसएसटी तथा वीएसटी दल सक्रिय हैं। जिनके द्वारा लगातार आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई हैं। जिले में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 3407 सुरक्षा कर्मियो की ड्यूटी लगाई गई है। 504 प्रधान आरक्षक, आरक्षक, 79 महिला आरक्षक, 186 जिला होमगार्ड, 342 कर्नाटक होमगार्ड, 780 सीएपीएफ सेक्शन एवं 1187 विशेष पुलिस अधिकारी का बल तैनात किया गया हैं। उन्होंने बताया कि जिले से बाहर प्राप्त केंद्रीय एवं अन्य बलों के जवानों को भी तैनात किया गया हैं, जिनमें पुलिस मुख्यालय से प्राप्त 115, आरएपीटीसी के 70, 17वीं वाहिनी सी कंपनी भिंड के 80, केंद्रीय पुलिस बल जिनमें आरपीएसएफ 1/2, आईटीबीपी 1/2, बीएसएफ 5 एवं तमिलनाडु एएसपी 05 , जिला होमगार्ड 186 एवं कर्नाटक होमगार्ड 740 शामिल हैं।

दोपहर में कांग्रेस, शाम को भाजपा प्रत्याशी हुए मीडिया से रूबरू

कांग्रेस ने कहा- भ्रष्टाचार चरम पर, भाजपा का जवाब...युवाओं को दिया रोजगार

सोहागपुर, देशबन्धु। पूरे प्रदेश के साथ ही सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में भी बुधवार शाम से चुनाव प्रचार थम गया। इसके बाद देर रात तक पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात और बैठक का सिलसिला चलता रहा। गुरुवार सुबह से ही प्रमुख प्रतिद्वंदी कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ घर-घर मतदाताओं से सम्पर्क करने निकल पड़े। इसी बीच कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों ने अलग-अलग स्थानों पर पत्रकार वार्ता आयोजित कर अपनी-अपनी बात रखी। दोपहर में जहां कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज पटेल मीडिया से रूबरू हुए वहीं शाम को भाजपा प्रत्याशी विजय पाल सिंह ने पत्रकार वार्ता में अपना पक्ष रखा।

विधायक के कार्यकाल में ठहरा विकास : पुष्पराज - - गुरुवार को दोपहर वाटिका गार्डन में कांग्रेस प्रत्याशी श्री पटेल ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के 20 साल के शासन और मौजूदा विधायक तथा भाजपा प्रत्याशी विजय पाल सिंह के 15 साल के कार्यकाल में क्षेत्र में विकास के कोई काम नहीं हुए हैं। पुष्पराज का यह भी आरोप है कि क्षेत्र में जिन सड़कों का निर्माण कराया गया, गणुवत्ताहीन होने के कारण साल भर में ही उखड़ने लगीं। न तो नौजवानों के रोजगार के मद्देनजर कोई आईटीआई खोली गई, न ही स्कूलों का उन्नयन भाजपा विधायक के कार्यकाल में हुआ। श्री पटेल ने भाजपा शासन में भ्रष्टाचार चरम पर होने के आरोप लगाए साथ ही रेत के अवैध उत्खनन के काम को लेकर भी भाजपा प्रत्याशी को घेरा।

किसी को नाजायज परेशान नहीं किया : विजयपाल - शाम को भाजपा प्रत्याशी मीडिया के सामने आए। ठाकुर विजय पाल सिंह ने पत्रकार वार्ता में सफाई देते हुए कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। श्री सिंह ने कहा कि मैंने किसी को नाजायज परेशान नहीं किया, ये आरोप भी बेवुनियाद हैं कि मैं बाहरी लोग आकर लोगों को धमका रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि क्षेत्र की जनता यह बेहतर जानती है कि मैं इस प्रकार की गतिविधियों को प्रश्रय नहीं देता।

उन्होंने बीते 15 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई और यह दावा किया कि इस बार भी उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलेगा। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि हमारी सरकार ने स्कूलों की उन्नयन का कार्य किया मॉडल स्कूल, सीएम राइज स्कूल चालू करने का काम कर रही है क्षेत्र में आईटीआई चालू की गई है, सम्पूर्ण क्षेत्र में सड़कों और पुलों का जाल बिछा दिया गया है । भाजपा सरकार ने युवाओं के रोजगार की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। स्वरोजगार के लिए ऋण देने और बुधनी तथा बाबई में लोगों को रोजगार के अवसर पैदा करने की बात भी भाजपा प्रत्याशी ने इस दौरान कही।

सोहागपुर विधान सभा को विशेष पहचान दिलाने के लिए जनता मन बना चुकी है : पटेल

सोहागपुर , देशबन्धु। विधान सभा 2023 का चुनाव प्रचार समूचे मध्य प्रदेश में बुधवार शाम 5 बजे थम गया । प्रचार थमने के बाद दोनो दलों के द्वारा डोर टू डोर संपर्क करके अब मतदाताओं से अपने अपने पक्ष की बात कर रहे हैं । कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज सिंह पटेल ने सोहागपुर विधान सभा की स्थिति के बारे में बात की । इस दौरान श्री पटेल ने कहा कि शोभापुर और बागरा में रैक प्वाइंट बनाने की आवश्यकता थी जिसे आज तक नही बनाया गया है । शोभापुर और सोहागपुर में कॉलेज की मांग वर्षो से हों रही है लेकिन इस पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया , सोहागपुर , शोभापुर और माखन नगर में स्टेडियम बनाने होंगे ताकि प्रतिभाओं को इस और कौशल विकास हो सके । उन्होंने माखन नगर में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनने की संभावना व्यक्त की तो उन्होंने माखन नगर में कृषि उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता को जोर देकर बोला । उन्होंने कहा कि यदि मतदाताओं का मन मिला तो निसंदेह सोहागपुर विधान सभा को विशेष पहचान दिलाने का काम किया जाएगा । उन्होंने अपनी वार्ता में राम पुर गुर्रा का अनेकों बार जिक्र करते हुए बताना चाह रहे थे कि विधान सभा में क्या हुआ है और क्या होगा ? उन्होंने पट्टों में हुई अनियमितता को लेकर कहा कि रहीशो को पट्टे मिले हैं और गरीब की आज भी दयनीय स्थिति हैं । कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज सिंह पटेल विधान सभा में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आएं तो वहीं उन्होंने कहा कि सोहागपुर में 3 तारीख को 2 लाख 46 हजार विद्यायक बनने जा रहे हैं । उन्होंने विधान सभा में पहुंचने की उम्मीद जताते हुए अपनी प्राथमिकता के तौर पर किसानों को प्रथम स्थान पर रखते हुए उनके हर दु:ख दर्द का निवारण करने की बात कही । इसी क्रम में उन्होंने शिक्षा दीक्षा , उद्योग और निर्भय वातावरण बनाने की कोशिश की जायेंगी ।

शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राएं मतदान बढ़ाने हेतु कर रही प्रचार

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी में छात्राओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान बढ़ाने हेतु पेंटिंग एवं स्किट प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार शत प्रतिशत मतदान हेतु स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत महाविद्यालय में पेंटिंग एवं स्किट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में 15 छात्राओं ने भाग लिया जिनमें से प्रथम स्थान मंजू तैकाम ने द्वितीय स्थान संयोगिता सरेआम तथा स्वाति यादव ने, तृतीय स्थान संध्या मौर्य एवं खुशी सोनी ने प्राप्त किया। स्किट प्रतियोगिता में दिव्या भार्गव, काशिफा खान, आयुषी बरखने तथा हेमा पटेल ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा ने कहा कि महाविद्यालय की छात्राएं लगातार जिला निर्वाचन अधिकारी की मंशा के अनुरूप ईएलसी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर अधिक से अधिक मतदान निर्धारित करने हेतु प्रयास कर रही हैं। आज के कार्यक्रम में पूनम साहू, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ शिखा गुप्ता, डॉ नेहा सिकरवार, प्रिया कलोसिया, तरुणा तिवारी, क्षमा वर्मा, शोभा मीणा, करिश्मा कश्यप उपस्थित रहे।

उत्तर भारतीयों के लिए इटारसी होकर चलेगी छठ स्पेशल ट्रेनें

इटारसी, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा छठ पर्व के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 03244 दानापुर-मनमाड़ के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी।

03244 दानापुर-मनमाड़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 17 नवंबर 2023 शुक्रवार को दानापुर स्टेशन से 06.20 बजे प्रस्थान कर, 22 बजे इटारसी पहुंचकर, 22.10 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, अगले दिन 07.00 बजे मनमाड़ स्टेशन पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में आरा जंक्शन, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, जबलपुर, इटारसी, खंडवा एवं भुसावल स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 10 शयनयान श्रेणी, 06 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 20 डिब्बे रहेंगे।

छठ स्पेशल ट्रेन वाया-इटारसी

गाड़ी संख्या 03266 दानापुर-मनमाड़ के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। 03266 दानापुर-मनमाड़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 17 नवंबर 2023 शुक्रवार को दानापुर स्टेशन से 08.30 बजे प्रस्थान कर, 23.00 बजे इटारसी पहुंचकर, 23.10 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, अगले दिन 08.30 बजे मनमाड़ स्टेशन पहुंचेगी।

यह गाड़ी रास्ते में आरा जंक्शन, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, जबलपुर, इटारसी, खंडवा एवं भुसावल स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 10 शयनयान श्रेणी, 07 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 20 डिब्बे रहेंगे।

दानापुर-भुसावल के मध्य छठ स्पेशल

गाड़ी संख्या 03288 दानापुर-भुसावल के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन भोपाल मण्डल के इटारसी स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। 03288 दानापुर-भुसावल सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 17 नवंबर 2023 शुक्रवार) को दानापुर स्टेशन से 09.30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 01.10 बजे इटारसी पहुंचकर, 01.20 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, 07.30 बजे भुसावल स्टेशन पहुंचेगी।

यह गाड़ी आरा जंक्शन, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, जबलपुर, इटारसी एवं खंडवा स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 18 शयनयान श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 21 कोच रहेंगे।

आज नहाये-खाए से शुरु होगा छठ महापर्व, 20 को समापन

पथरोटा नहर के पानी में डूबते और उगते सूर्य को देंगे अर्घ्य

उत्तर भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक संगठन करेगा आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। उत्तर भारतीय समुदाय का प्रमुख पर्व छठ पूजा की तैयारी प्रारंभ हो गयी है। यहां इटारसी में उत्तर भारतीय परिवार पथरोटा की मुख्य नहर पर इस महापर्व को बहुत ही आस्था के साथ मनाते हैं। इस वर्ष नहर में अच्छा पानी चल रहा है। उत्तर भारतीय नहर के पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और दूसरे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे।

कल नहाय-खाये से प्रारंभ होगा: महापर्व छठ पूजा 17 नवंबर को नहाये-खाये परंपरा से प्रारंभ होगी। इस दिन संकल्प लिया जाता है कि हम ब्रह्मचर्य का पालन करेंगे और पवित्र होकर उपासना करेंगे। व्रती लहसुन-प्यास का त्याग करते हैं, पूर्णत: शाकाहारी होकर सूर्य भगवान और उनकी पुत्री षष्ठी देवी की उपासना का संकल्प लेते हैं। नहाकर और खाकर इसकी शुरुआत की जाती है। इस दिन से घर में शुद्धता का ध्यान रखा जाता है। नहाय खाय में व्रती सहित परिवार के सभी सदस्य चावल के साथ कद्दू की सब्जी, चने की दाल, मूली आदि ग्रहण करते हैं।

दूसरे दिन होगा खरना

खरना में गुड़ या गन्ने के रस से चावल या रोटी बनायी जाती है। हवन-पूजन करने के बाद केवल एक टाइम इसे खाया जाता है। इस दिन सारा दिन पानी भी नहीं पीते हैं और केवल शाम को पानी पीया जाता है। छठ पूजा में किसी जलस्रोत के किनारे भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। छठ पूजा संतान प्राप्ति या संतान के सुखमय जीवन के लिए किया जाता है। व्रती इस प्रसाद को ग्रहण कर 36 घंटे निर्जला उपवास पर चली जाती हैं। इस प्रसाद को बनाने में मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है।

19 और 20 को देंगे अर्घ्य

छठ पूजा में डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। 19 नवंबर को नहर के पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को जल से अर्घ्य दिया जाएगा। व्रत इसके बाद घर आकर गन्ने का मंडप बनाकर मौसमी चीजों से कोसी भरते हैं। रात में ढाई बजे नहर पर आकर यहां भी गन्ने का मंडप बनाकर कोसी भरेंगे। फिर सुबह होने का इंतजार किया जाएगा। चौथे दिन यानी 20 नवंबर को सुबह गाय के कच्चे दूध से उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दौरान व्रती सूर्य देव से अपनी संतान और परिवार के सुख शांति के लिए कामना करते हैं।

इनका कहना है....

हमारी तैयारी चल रही है। पथरोटा नहर पर पूजन होगा। कल 17 नवंबर से नहाये-खाये के बाद हमारा पर्व प्रारंभ हो जाएगा। 19 नवंबर की शाम को जल से सूर्य को अर्घ्य देंगे और सुबह गाय के कच्चे दूध से अर्घ्य देकर व्रत का समापन होगा।

रघुवंश पांडेय,
अध्यक्ष उत्तर भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक संगठन इटारसी

विधानसभा चुनाव : निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी

प्रदेश की सभी 230 सीटों पर आज डाले जाएंगे वोट

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सभी 230 सीटों पर शुक्रवार 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर लीं हैं। सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने पत्रकारों को बताया कि निर्वाचन आयोग ने सभी 230 सीटों पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्य के पांच करोड़ 60 लाख से अधिक मतदाता 65 हजार पांच सौ से अधिक मतदान केंद्रों पर पहचानपत्र के साथ पहुंचकर मतदान कर सकेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान की प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की है। विधानसभा चुनाव में कुल 2533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2280 पुरुष, 252 महिलाएं और एक अन्य (थर्ड जेंडर) प्रत्याशी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में सभी 230 क्षेत्रों में मतदान के लिए शुक्रवार का दिन निर्धारित है। मतदान सुबह सात बजे प्रारंभ होकर शाम छह बजे तक चलेगा। हालाकि नक्सली प्रभावित बालाघाट, डिंडोरी और मंडला जिले के संबंधित नक्सली क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे प्रारंभ होकर दिन में तीन बजे तक संपन्न करायी जाएगी। कल होने वाले मतदान के पूर्व बुधवार शाम सभी 230 क्षेत्रों में चुनाव प्रचार अभियान की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के साथ ही चुनावी शोरगुल थम गया था।

आकस्मिक सेवाओं के लिए एयर एंबुलेंस व हेलीकॉप्टर की तैनाती

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव के सुचारू संचालन के लिये एक एयर एम्बुलेंस और दो हेलीकॉप्टर आकस्मिक सेवाओं के लिये तैनात किए गए है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि एक एयर एम्बुलेंस मतदान सम्पन्न होने तक जबलपुर में उपलब्ध रहेंगी। इसके बाद यह एयर एम्बुलेंस गोंदिया के लिये रवाना हो जायेगी। इसी प्रकार एक हेलीकॉप्टर मतदान सम्पन्न होने तक बालाघाट में रखा जाएगा एवं एक अन्य हेलीकॉप्टर भोपाल में पूरे समय उपलब्ध रहेगा। श्री राजन ने बताया कि एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर का उपयोग आवश्यकता होने पर किसी भी प्रकार की आकस्मिक सेवाओं के लिये किया जाएगा। विमानन संचालनालय ने कलेक्टर बालाघाट, जबलपुर, भोपाल एवं एयरपोर्ट डायरेक्टर गोंदिया को इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था करने के लिये निर्देशित किया है।

राष्ट्रीय नेताओं ने भी किया धुंआधार प्रचार, दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस-भाजपा व अन्य दलों के राष्ट्रीय नेताओं ने जहां राज्य में धुंआधार प्रचार किया, वहीं प्रदेश नेताओं ने भी लगातार बैठकें और सभाएं की। आखिरी दौर में सभी दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंकी।

लगभग एक पखवाड़े तक चले चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 14, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 21 और अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने चुनावी सभाएं कीं। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले माह से अब तक लगभग 160 चुनावी सभाएं की हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने 55 सभाओं को संबोधित किया। पार्टी के अन्य स्टार प्रचारकों ने भी कई-कई सभाएं की। दूसरी ओर कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और अन्य नेताओं ने भी चुनावी सभाएं कीं। चुनावी समर में बसपा प्रमुख मायावती, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं ने भी राज्य में चुनाव प्रचार किया। इस चुनाव में मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान बुधनी से, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ छिंदवाड़ा से और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर दिमनी से, प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर से और फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला जिले के निवास से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर एक क्षेत्र से तथा चार सांसद, राज्य सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्री और अन्य प्रमुख नेता भी चुनावी दंगल में ताल ठोक रहे हैं। इन सब नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है।

मतदाताओं को वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्प

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान के लिए बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हैं और उन तक मतदाता पर्ची नहीं पहुंची है, वो वोटर आईडी के अलावा 12 विकल्पों के जरिए भी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, विधानसभा निर्वाचन 2023 में सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की है। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केंद्र का क्रमांक, पता, निर्वाचक नामावली में क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में है, तो मतदान के लिए फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार या पीएसयू या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों या विधायकों या एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड, में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर 17 नवम्बर को मतदान कर सकता है।

कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे पर हमला कर चलाई गोली

भिंड, देशबन्धु। गोहद से कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे पर हमले की घटना सामने आई है। इस घटना में जहां पीड़ित युवक के वाहन में तोड़फोड़ हुई है। वहीं हवा में गोली चलाने का आरोप भी लगा है।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में केशव देसाई गोहद से चुनाव लड़ रहे हैं। बुधवार की देर रात उनके पुत्र राहुल देसाई अपने समर्थक तुकेड़ा निवासी सत्येन्द्र तोमर के साथ विधानसभा के तहत आने वाले ग्राम बनीपुर में जनसम्पर्क करने गए थे। उसी समय अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए, वहीं उनके वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। पीड़ित पक्ष ने शिकायत में उन्हें धमकाने के मकसद से आरोपियों पर हवा में गोली चलाने का आरोप भी लगाया। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें आरोपियों द्वारा जाते जाते जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने इस घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर गोली चली

ग्वालियर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण से राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर गोली चलाने की घटना सामने आई है। घटना को आरोपियों ने उन पर उस समय किया, जब वह विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के बाद घर वापस आ रहे थे कि उनके घर से कुछ ही दूरी पर उन पर गोली दागी गई। यह तो गनीमत रहीं कि गोली उन्हें नहीं लगी।

मालूम हो कि राष्ट्रीय समानता दल ने ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से जीवन कुशवाहा को चुनाव मैदान में उतारा है। बताया गया कि दिन भर चुनाव प्रचार करने के बाद वह बीती रात क्षेत्र में चुनाव प्रचार के बाद अपने घर वापस आ रहे थे कि उसी समय अचानक उनके घर के पास किसी ने उन पर गोली चला दी। घटना के समय उनके पार्टी कार्यकर्ता भोजन कर रहे थे, कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोली चलाई गई जो कि टीनशेड में लगी। गोली किसने और क्यों चलाई, फिलहाल इस बात का पता नहीं चला है। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कारतूस का खोका बरामद कर लिया है। राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी जीवन इस मामले में पुरानी रंजिश की संभावना व्यक्त की है। हालांकि उन्होंने इस बारे में किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

रंजिश को लेकर भिड़े 2 पक्ष, चली गोली

इसके अलावा बहोड़ापुर क्षेत्र में भी गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां पुराने रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़ गए, पहले मारपीट हुई, उसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। गोलीबारी की इस घटना में दोनों ही पक्षों के 2 लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस ने इस मामले में आननफाने कार्यवाही करते हुए 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

छग में दूसरे चरण का मतदान आज, 958 उम्मीदवार मैदान में

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर कल मतदान होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई है। मतदान को शान्तिपूर्ण सम्पन्न करवाने के लिए सुरक्षा के कड़े बन्दोबस्त किए जा रहे है। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज शाम यहां पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग का एमबीबीएस सीटों पर फैसला

10 लाख की आबादी पर सौ सीटों के फैसले पर लगी रोक

नई दिल्ली, देशबन्धु। दक्षिण भारत के राज्यों के विरोध के बाद राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने हर 10 लाख की आबादी पर एमबीबीएस की सीटें सौ तक सीमित करने के अपने फैसले पर एक साल की रोक लगा दी है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी जहां बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेज हैं,ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर एनएमसी के इस फैसले पर आपत्ति दर्ज कराई थी। बीते एक नवम्बर को मंत्रालय ने चिकित्सा नियामक से अपने इस फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया था। इसके बाद आयोग ने राज्यों को खत लिखकर कहा है कि अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा नए मेडिकल संस्थानों की स्थापना के तहत स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों के लिए दिशानिर्देशों के अध्याय-1 के तहत नए मेडिकल पाठ्यक्रमों की शुरुआत,मौजूदा पाठ्यक्रमों के लिए सीटों की वृद्धि और मूल्यांकन रेंटिंग विनियम, 2023 अब शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू किया जाएगा। बतादें कि गत 16 अगस्त को आयोग ने अपनी अधिसूचना में कहा था कि आगामी अकादमिक सत्र से स्थापित मेडिकल कॉलेजों में अधिकतम 150 सीटें होंगी। साथ ही हर 10 लाख की आबादी पर केवल 100 एमबीबीएस सीटों की मान्यता होगी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग का मानना है कि इन नियम के आधार पर सीटों की सीमा तय करने से स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में क्षेत्रीय असमानता दूर होगी।

विधानसभा चुनाव ने सिंधिया-गांधी परिवार के बीच बढ़ाई खटास

भोपाल, एजेंसी। चुनाव में विरोधी दलों के एक दूसरे पर हमले आम बात है। व्यक्तिगत हमले कम ही होते हैं, मगर मध्य प्रदेश में ऐसे व्यक्तिगत हमले हुए कि उसने गांधी और सिंधिया परिवार के बीच खटास बढ़ाने का काम कर दिया है। चुनावी मौसम में ज्योतिरादित्य सिंधिया को अहंकारी तक कह दिया। राज्य में वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में राहुल, प्रियंका गांधी और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच गजब की कैमिस्ट्री देखने को मिली थी।

इन चुनाव में कांग्रेस ने बढ़त पाई और सरकार भी बनाई। बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया और वह भाजपा का हिस्सा बन गए परिणाम स्वरूप कांग्रेस की सरकार गिर गई वर्तमान में ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रीय मंत्री हैं। भले ही सिंधिया कांग्रेस के अलग हो गए, मगर उनके और गांधी परिवार के बीच खटास नजर नहीं आई थी। संसद

से तो एक ऐसी तस्वीर सामने आई थी, जिसमें सिंधिया सोनिया गांधी के साथ बैठे हुए थे। आमतौर पर यही चर्चा थी कि भले ही सिंधिया कांग्रेस छोड़कर चले गए हों, मगर दोनों परिवारों के बीच दूरियां नहीं बढ़ी हैं।

प्रियंका गांधी का पिछले दिनों ग्वालियर आना हुआ, मगर उन्होंने सीधे तौर पर सिंधिया पर हमला नहीं किया। प्रियंका गांधी का बीते रोज दतिया आना हुआ और यहां उन्होंने जनसभा में सिर्फ ज्योतिरादित्य सिंधिया पर ही नहीं, बल्कि उनके खानदान तक पर हमला बोल दिया। विश्वासघात को उनके परिवार की परंपरा बताने में भी प्रियंका ने हिचक नहीं दिखाई।

रायपुर दक्षिण में गुरु-शिष्य के बीच कांटे की टक्कर

रायपुर, देशबन्धु। रायपुर जिले की रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट इस बार भी हाई प्रोफाइल है। कांग्रेस ने रायपुर जिले की हाई प्रोफाइल वीआईपी सीट रायपुर दक्षिण से पिछली बार चुनाव लड़ चुके कन्हैया अग्रवाल का टिकट काट कर सीएम के करीबी और प्राचीन दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास को टिकट दिया है। ऐसे में यहां पर चुनावी लड़ाई काफी रोचक हो गई है।

अब इस सीट पर पूरे प्रदेश की नजर टिकी हुई है। क्योंकि भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल महंत को अपना गुरु मानते हैं। ऐसे में गुरु और शिष्य के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। बृजमोहन अग्रवाल और महंत राम सुंदर दास के बेहतर संबंध हैं। अग्रवाल मठ के कार्यक्रमों में लगातार शिरकत करते रहे हैं। बृजमोहन अपने पिता के साथ स्कूली जीवन से ही मठ जाते रहे हैं। महंत रामसुंदर दास के गुरु से मिलते रहे हैं। उनका आशीर्वाद लेते रहे हैं। क्योंकि ये मठ रायपुर दक्षिण विधानसभा में पड़ता है। बृजमोहन अग्रवाल के सामने लगातार 8वीं बार जीत के क्रम को दोहराने की चुनौती है तो कांग्रेस को इस सीट पर कब्जा करने के लिए बेचैनी है। हर बार कांग्रेस इस सीट पर नया चेहरा लाती है पर अब तक वो वो रायपुर दक्षिण किले पर

फतह हासिल नहीं कर सकी है। महंत रामसुंदर दास का कहना है कि वो इससे पहले भी दो बार कांग्रेस से विधायक रह चुके हैं। जाजंगीर चांपा से विधायक रह चुका हूं और इस बार के लिए भी मैं जांजगीर चांपा से चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किया था। कांग्रेस हाईकमान और वरिष्ठों ने मुझे रायपुर दक्षिण से प्रत्याशी बनाया है। इस बार जनता मुझे आशीर्वाद देगी और मैं उनका नौकर बनकर सेवादारी करूंगा। दूसरी ओर मामले में वर्तमान विधायक बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि महंत यहां से लड़ना नहीं चाहते थे, लेकिन कांग्रेस उन्हें मजबूर करके यहां से चुनाव लड़ा रही है। क्योंकि वो जांजगीर चांपा से चुनाव लड़ना चाह रहे थे। इस संबंध में वो खुद ही बार-बार कह रहे थे कि रायपुर में मैं लड़ने की स्थिति में नहीं हूं। मेरे पास टीम नहीं है, संसाधन नहीं है, कार्यकर्ता नहीं हैं और सुविधा नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि मुझे उनका आशीर्वाद आज से नहीं 40 साल से मिलता रहा है। इस बार भी उनका आशीर्वाद मिलेगा। 8वीं बार मुझे टिकट नहीं मिली है। 7 बार जनता जीती है और 8वीं बार भी जनता जीतेगी।

सात बार से विधायक हैं बृजमोहन अग्रवाल

बृजमोहन अग्रवाल सात बार यानी 35 साल से इस सीट से विधायक हैं। वर्ष 2018 में इस सीट से कांग्रेस ने कन्हैया अग्रवाल को टिकट दिया था। बृजमोहन ने 52.70 फीसदी वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी, जबकि कन्हैया अग्रवाल को महज 40.82 वोट मिले थे और उनकी हार हुई थी। बृजमोहन अग्रवाल 1990 में पहली बार अविभाजित मध्य प्रदेश में विधायक बने। फिर साल 1993 और 1998 में अविभाजित मध्य प्रदेश में तीन बार विधायक रहे। इसके बाद छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद वो लगातार यहां से 4 बार वर्ष 2003, 2008, 2013, 2018 में चुनाव जीतते आ रहे हैं। साल 2018 के चुनाव में प्रदेशभर में कांग्रेस की लहर थी, लेकिन उस समय भी दक्षिण से भाजपा ने जीत हासिल की थी।

मतदान से पहले सेमरिया क्षेत्र में भारी घमासान

अभय और केपी में शह मात का खेल जारी

पहले अभय मिश्रा आदिवासी महिला को लेकर पहुंचे थाने, फिर रात तीन बजे केपी पहुंचे और अभय पर लगाया मारपीट का आरोप, मचाया जमकर हंगामा, पुलिस परेशान

रीवा देशबन्धु। जिले का सेमरिया विधानसभा क्षेत्र इन दिनों राजनीति का अखाडा बना हुआ है यहां जिन महारथियों के बीच चुनावी दंगल चल रहा है उनमें दोनों कोई किसी से कम नही मान रहा है। दोनों पक्ष लगभग हर मामले में सबल है।

बीती रात लगभग 11 बजे सेमरिया क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी अभय मिश्रा जिला पंचायत सदस्य सुन्दरिया आदिवासी को लेकर अपने भारी समर्थकों के साथ थाना विवि पहुंचे और सुन्दरिया आदिवासी की तरफ से शिकायत दर्ज कराई गयी कि नीरू त्रिपाठी व मनीश उर्फ सिद्धू व दो अन्य ने उनके वाहन को रोककर जमकर मारपीट की और वाहन में तोडफोड भी किया इस घटना में उन्हें चोंटें आई है पुलिस ने आनन फानन में एफआईआर दर्ज कर लिया।

सुन्दरिया आदिवासी का हांथ टूटा, सिर पर गंभीर चोंट, जबलपुर के लिये रेफर

सुन्दरिया को उपचार व मेडिकल परीक्षण हेतु अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने से आज दोपहर उसे जबलपुर के लिये रेफर कर दिया गया है। आरोप रहा कि उक्त दोनों आरोपी भाजपा प्रत्याशी केपी त्रिपाठी के समर्थक हैं। इसकी जानकारी जब भाजपा प्रत्याशी केपी त्रिपाठी को लगी तो वे रात लगभग तीन बजे अपने भारी समर्थकों के साथ थाना विवि पहुंचे,और कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी अभय मिश्रा के उकसावे में सुन्दरिया आदिवासी ने उनके समर्थकों पर झूठे आरोप लगाये हैं और पुलिस ने बिना जांच किये सीधी एफआईआर दर्ज किया है जो कि गलत है और वे अपने समर्थकों के साथ थाने पर ही धरने में बैठ गये, जो अलसुबह तक चला।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि अब उनकी भी एफआईआर दर्ज की जाये कि अभय मिश्रा व सुन्दरिया आदिवासी ने उनके साथ मारपीट की है इसी बात पर थाने में घंटों हंगामा मचा रहा कार्यकर्ता महिला पुलिस अधिकारी से अभद्रता करने लगे तब पुलिस ने उन्हें जमकर फटकार लगाई।

तडके तक यह ण्ध्काफी जददोजहद के बाद पुलिस ने केपी त्रिपाठी के तरफ से भी एफआईआर दर्ज की और दोनों मामलों को विवेचना में लिया।

यह कोई पहला मामला नही है इस तरह की घटनायें सेमरिया क्षेत्र में कई बार घट चुकी है। रीवा ही नही पूरे प्रदेश में सेमरिया की घटनायें सुर्खियों में रही हैअभी आज की रात और कल का दिन बचा है कुछ भी अनहोनी से इंकार नही किया जा सकता, हालांकि पुलिस प्रशासन इस क्षेत्र को संवेदनशील मानकर पूरी तरह से सजग है।

वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार सख्त

6 सदस्यीय टास्क फोर्स गठित की

नई दिल्ली, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजधानी के अंदर ग्रेप चार को कड़ाई से लागू करने को लेकर दिल्ली सरकार ने छह सदस्यीय स्पेशल टास्कफोर्स का गठन किया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसकी जानकारी देते हुए गुरुवार को बताया कि इस टास्कफोर्स में परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त, पुलिस उपयुक्त यातायात (मुख्यालय), राजस्व विभाग के उपायुक्त (मुख्यालय.), दिल्ली नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर सदस्य होंगे। इस टास्क फोर्स का काम संबंधित विभागों के साथ प्रतिदिन समन्वय करना और उनके समक्ष आने वाली दिक्कतों को दूर करना और कार्यान्वयन से सम्बंधित सरकार को अपनी रिपोर्ट देना होगा।

श्री राय ने ग्रेप-4 के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद कहा कि अभी वर्तमान समय में प्रदूषण की जो स्थिति बनी हुई है उसे लेकर पर्यावरण विशेषज्ञों की राय है कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदूषण की बहुत ख़राब स्थिति ही बनी रहेगी।

दिल्ली पुलिस की 284 टीम लगाई गई

उन्होंने कहा कि ग्रेप-4 के तहत बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार डीजल एलएमवी (चार पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लागू किया गया है। अभी तक 16,689 बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार डीजल गाड़ियों का चालान किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो मोटर व्हीकल एक्ट -1988 के तहत 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके लिए ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा 84 टीम लगाया गया है। साथ ही दिल्ली पुलिस की 284 टीम लगायी गई है। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली में पराली को गलाने के लिए अब तक 2573 एकड़ में फ्री बायो डी-कंपोजर के छिड़काव किया गया है। कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि शेष बचे खेतों में जल्द छिड़काव करें।

फिर बेहद खराब श्रेणी में पहुंची आबोहवा

देश की राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता गुरुवार को बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के बीच रही। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण प्रदूषक कणों का बिखराव नहीं हो पाया। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गुरुवार को सुबह नौ बजे 393 रहा।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।